सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 339 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 17 जनवरी, 2025
मूल्य ₹ 3/-

सबसे महान जीत प्रेम की होती है, ये हमेशा के लिए दिल जीत लेती है।
-सम्राट अशोक

टीम के नये बल्लेबाजी कोच बने... 7 | दिल्ली चुनाव: बीजेपी को लगा जोर... 3 | अयोध्या में जमीनों की बंदरबांट... 2

'कांग्रेस-सपा में दूरी नहीं रोकेंगे बीजेपी का एजेंडा'

» सपा प्रमुख ने बढ़ते विवाद के बीच संभाला मोर्चा

» भाजपा के साथ कांग्रेस भी आप और केजरीवाल पर हमलावर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दिल्ली विधानसभा चुनाव में चुनावी प्रचार तेज हो चुका है। आप पर कांग्रेस व भाजपा का हमला जारी है। दोनों ही दलों के निशाने पर आप संयोजक अरविंद केजरीवाल हैं। इस बीच सपा, टीएमसी व अन्य कई दलों ने आप का समर्थन किया है। उधर सपा द्वारा आप के समर्थक के बाद से कांग्रेस द्वारा सपा पर हमला किया गया। समर्थन मामले में बढ़ते विवाद को देखते हुए सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने खुद मोर्चा संभाला।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी का दिल्ली में आप को समर्थन का मतलब यह नहीं है कि हम कांग्रेस के विरोध में खड़े हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी चुनावी लड़ाई में नजर आ रही है। इंडिया गठबंधन में पहले भी इस मुद्दे पर चर्चा हो चुकी है कि जो क्षेत्रीय दल जहां मजबूत होगा, वहां उसको समर्थन दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली में केजरीवाल बीजेपी को हरा रहे हैं। दिल्ली में लाख कोशिशों के बाद भी बीजेपी का एजेंडा नहीं चला। उन्होंने आगे कहा कि बीजेपी सभी नकारात्मक एजेंडे के तहत चुनाव लड़ती है। दिल्ली में भी बीजेपी ने अपने निगेटिव कैंपेन की सभी हदें पार कर ली है। वह जातिवाद के बाद अब क्षेत्रवाद के तौर पर लोगों में भेद—भाव पैदा कर रही है। वह ऐसा सिर्फ चुनाव जीतने के लिए कर रहे हैं। और हम ऐसा होने नहीं देंगे।

दिल्ली में भाजपा को रोकने में आप व सपा साथ-साथ

इंडिया गठबंधन में चर्चा हो चुकी है कि जो क्षेत्रीय दल जहां मजबूत होगा वहां उसको समर्थन दिया जाएगा : अखिलेश

यूपी-बिहार कहे आज का, नहीं चाहिए भाजपा

पूर्वांचल के मुद्दे पर सपा प्रमुख ने एक कदम आगे बढ़ते हुए एक्स पर पोस्ट शेयर की। उन्होंने अपने एक्स एकाउंट पर लिखा कि यूपी बिहार कहे आज का, नहीं चाहिए भाजपा उनके इस पोस्ट पर आप प्रमुख केजरीवाल ने कमेंट करते हुए कहा कि दिल्ली वाले बीजेपी के भ्रम का जवाब ईवीएम का बटन दबा कर देंगे।

यह चुनाव बीजेपी को सबक सिखायेगा

मिल्कीपुर उपचुनाव को लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि वहां हमारा प्रत्याशी पीडीए का प्रतिनिधि है। मुझे उम्मीद है कि चुनाव आयोग पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से चुनाव कराएगा। मिल्कीपुर की जनता ने भाजपा को हराने का मन बना लिया है। किसान, महिला और व्यापारी भाजपा को हराने जा रहे हैं। पीडीए का उम्मीदवार जनता की पहली पसंद है। यह चुनाव भाजपा के लिए सबक होगा।

तेजस्वी भी कर चुके हैं केजरीवाल का सपोर्ट

बिहार राज्य के प्रमुख दल राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव का भी आम आदमी पार्टी के प्रति रूख नरम है। बिहार में जल्द चुनाव है और आरजेडी-कांग्रेस वहां लंबे समय से गठबंधन के तहत चुनाव लड़ रही है। तेजस्वी ने भी अखिलेश यादव की तर्ज पर आम आदमी पार्टी से बढ़ती नजदीकियों का मतलब कांग्रेस से दूरी नहीं करार दिया था। उन्होंने कहा था कि बिहार में उनका और कांग्रेस का गठबंधन जारी रहेगा।

केंद्र सरकार को 'सुप्रीम' नोटिस

» दिल्ली में आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना फिलहाल नहीं होगी लागू

» हाईकोर्ट के आदेश पर शीर्ष अदालत की रोक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अपने एक आदेश में पीएम आयुष्मान भारत स्वास्थ्य इंफ्रास्टक्चर मिशन योजना को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में फिलहाल लागू करने पर रोक लगा दी है। दरअसल दिल्ली उच्च न्यायालय ने अपने एक आदेश में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और दिल्ली सरकार के बीच एक समझौता करने का निर्देश दिया था।

इस समझौते के तहत प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य ढांचा मिशन को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में लागू किया जाना था। हालांकि अब सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी है। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की पीठ ने उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगाने का आदेश दिया। दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। अब सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर उनका जवाब मांगा है। गौरतलब है कि दिल्ली में पीएम आयुष्मान भारत स्वास्थ्य इफ्रास्ट्रक्चर मिशन योजना लागू नहीं है। साल 2017 में दिल्ली हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई थी, जिसमें दिल्ली में सरकारी अस्पतालों में आईसीयू बेड और वेंटीलेटर्स की उपलब्धता पर चिंता जाहिर की थी। देश में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार ने इस योजना की शुरुआत की थी।

केंद्र सरकार की शक्तियों को स्वास्थ्य क्षेत्र में फिर से परिभाषित किया गया : सिंघवी

दिल्ली सरकार की तरफ से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए। सिंघवी ने दलील दी कि राज्य सूची की 1,2 और 18 एंट्री के तहत केंद्र की शक्तियां सीमित हैं, लेकिन उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में सरकार की शक्तियों को स्वास्थ्य क्षेत्र में फिर से परिभाषित किया है। सिंघवी ने कहा कि उच्च न्यायालय द्वारा दिल्ली सरकार को केंद्र सरकार के साथ समझौते के लिए मजबूर किया जा रहा है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश पर फिलहाल रोक लगा दी।

असंवेदनशील है केंद्र की मोदी सरकार : राहुल

» एम्स के बाहर मरीजों से मिले नेता प्रतिपक्ष

» आप सरकार की भी आलोचना की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के आसपास सड़कों, फुटपाथों और सबवे पर डेरा डाले कई मरीजों और उनके परिवारों से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र तथा दिल्ली सरकार पर जमकर हमला बोला। सांसद ने कहा कि भाजपा व आप सरकार असंवेदनशील सरकार हैं। इस अवसर नेता प्रतिपक्ष ने उनकी समस्याओं और शिकायतों के बारे में जानकारी ली। गांधी ने इंस्टाग्राम पर लिखा- बीमारी का बोझ, ठिठुराने वाली सर्दी और सरकारी असंवेदनशीलता।

आज मैं एम्स के बाहर मरीजों और उनके परिवारों से मिला, जो दूर-दराज से इलाज की आस में आए हैं। इलाज की राह में वे सड़कों, फुटपाथों और सबवे पर सोने को मजबूर हैं-ठंडी जमीन, भूख, और असुविधाओं के बीच भी बस उम्मीद की एक लौ जलाए बैठे हैं। केंद्र और दिल्ली सरकार दोनों, जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने में पूरी तरह से नाकाम रहे हैं।

अयोध्या में जमीनों की बंदरबांट में हुआ भ्रष्टाचार: अखिलेश यादव

» बोले- किसान विकास में भागीदार बनना चाहते हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा की योगी सरकार पर फिर जोरदार हमला बोला है। सपा मुखिया ने कहा कि अयोध्या में गरीबों और किसानों की जमीन सस्ते दामों पर ली गई और महंगे दामों पर बेचा गया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने गरीबों और किसानों की जमीन ली उन्हें प्रभु श्रीराम नहीं बख्शेंगे जबकि होना तो ये चाहिए था कि गरीबों से जमीनों को मार्केट रेट पर लिया जाता लेकिन वहां जमीनों की बंदरबांट हुई और भ्रष्टाचार हुआ है।

अखिलेश यादव सपा कार्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अयोध्या से किसानों का सब कुछ छीना जा रहा है। सरकार जानबूझकर कर जमीन छीन रही है। किसान विकास के खिलाफ नहीं है क्योंकि वो भी विकास में भागीदार बनना चाहते हैं। किसानों को बाजार भाव से मुआवजा मिलना चाहिए।

हम किसानों के आभारी हैं जब अधिकारी डराने में लगे हैं उस दौर में भी वो सपा के पास आए हैं। जिस तरह से सरकार काम कर रहे है भाजपा के लोग भी जानते हैं कि बीजेपी उनकी भी सगी नहीं है। अयोध्या में दुनिया भर के लोगों को आस्था है लेकिन लोगों उजाड़ा नहीं जाना चाहिए। सर्किल रेट को छह गुना बढ़ाकर किसानों को मुआवजा दिया जाना चाहिए। अगर भाजपा सरकार ने नहीं दिया तो जब भी सपा की सरकार बनी बाजार भाव से मुआवजा दिया जाएगा।

जहां आश्रम बनने चाहिए वहां बन रहे होटल

उन्होंने कहा कि जहां आश्रम बनने चाहिए वहां होटल बन रहे हैं। वहां फाइव स्टार होटल बन रहे हैं। क्या वहां बार होंगे? अगर बार नहीं होंगे तो क्या फाइव स्टार का दर्जा मिलेगा? सपा अयोध्या को वर्ल्ड क्लास बनाएगी। लोकभवन का जिक्र करते हुए कहा कि सीएम जिस ऑफिस में बैठते हैं वो भी सपा सरकार की देन है।

नौ करोड़ लोगों के गंगा में डुबकी लगाने को फर्जी आंकड़ा बताया

अभी तक महाकुंभ में नौ करोड़ लोगों के डुबकी लगाने के योगी सरकार के दावे को अखिलेश यादव ने फर्जी बताया। उन्होंने कहा कि सरकार के आंकड़े फर्जी हैं। उन्होंने कहा कि किसानों की तरह व्यापारी भी भाजपा के खिलाफ हैं। जीएसटी के डर से कारोबारी कानपुर लखनऊ छोड़कर जा रहे हैं। विभाग की लूट के कारण ऐसा हो रहा है। इसका गलत मैसेज इंवेस्टर समिट को जाएगा। भाजपा समर्थकों पर छापे पड़ रहे हैं। गोरखपुर में छापा पड़ा और वहां से 600 करोड़ रुपये बरामद हुए।

भाजपा प्रवक्ता के बोल घोर निंदनीय

इससे पहले अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट किया था, बीजेपी के एक राष्ट्रीय प्रवक्ता द्वारा एक राष्ट्रीय न्यूज चैनल पर आम आदमी पार्टी, दिल्ली के एक निर्वाचित विधायक के उपनाम को बिगाड़कर, उस उपनाम के लिए अत्यंत आपत्तिजनक अपशब्द का इस्तेमाल करना दुर्भाग्यपूर्ण ही नहीं बल्कि घोर निंदनीय भी है, ये कथन बीजेपी की उप्र, बिहार और पूर्वांचलियों के प्रति उस संकीर्ण सोच को दर्शाता है, जो हमेशा नकारात्मक रही है। अखिलेश यादव ने आगे लिखा, ये किसी माफी से खत्म होनेवाला मामला नहीं है।

कलाकारों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, अभिनेता सैफ अली खान पर हुए हमले से चिंतित हैं। सोशल मीडिया साइट एक्स पर अखिलेश ने अपनी चिंता जाहिर करते हुए उन्होंने सरकार से अहम मांग की। कन्नौज सांसद ने लिखा- लोकप्रिय फिल्म स्टार सैफ़ अली ख़ान की सेहतमंदी की दुआओं के साथ सरकार से आग्रह कि कलाकारों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

मिल्कीपुर उपचुनाव

भाजपा प्रत्याशी चंद्रभानु ने दाखिल किया नामांकन

» नेताओं ने जीत का दिया भरोसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। मिल्कीपुर उपचुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी चंद्रभानु पासवान ने नामांकन पत्र दाखिल कर दिया है। पार्टी प्रत्याशी ने पहले दो सेट में पूर्व सांसद लल्लू सिंह के साथ जाकर नामांकन दाखिल किया। इसके बाद दो सेट में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह के साथ नामांकन पत्र दाखिल किया।

इस दौरान मिल्कीपुर उपचुनाव की जिम्मेदारी संभाल रहे प्रदेश सरकार के सातों मंत्री, भाजपा के वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी मौजूद रहे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने मिल्कीपुर उपचुनाव में पार्टी प्रत्याशी चंद्रभानु पासवान के समर्थन में जनसभा की। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि उपचुनाव में मिल्कीपुर की जनता परिवारवादियों और राम विरोधियों को जवाब देगी। जिन लोगों ने राम भक्त का सेवकों का खून बहाया है, उन्हें सबक मिलेगा। इस मौके पर यूपी सरकार के मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने दावा किया है कि उपचुनाव में भाजपा जीत के सारे रिकॉर्ड तोड़ देगी और कमल खिलेगा।

मिल्कीपुर उपचुनाव देश का सबसे महत्वपूर्ण चुनाव : सपा

मिल्कीपुर उपचुनाव देश का सबसे महत्वपूर्ण चुनाव होगा। सरकार से मांग है कि इस चुनाव में पारदर्शी कामकाज का उदाहरण पेश करे। सच्चाई ये है कि मिल्कीपुर में भी उनके पैर उखड़ते जा रहे हैं। आप ज्यादा हमारा प्रचार न करिए वरना सरकार खाकी वर्दी वालों को भी उतार देगी। हर तबका हमारे साथ है। उन्होंने कहा कि बिजली के निजीकरण का हम विरोध करते हैं।

शराबबंदी से सरकार का पैसा नेताजी की जेब में जाएगा: जीतू पटवारी

» बोले- मोदी की एजेंसी ठीक से काम करे तो पूरा मप्र मंत्रिमंडल जेल में होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उज्जैन। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भले ही धार्मिक नगरी उज्जैन में शराबबंदी करने की बात कर रहे हो, लेकिन आप सभी यह जान लें कि इससे अभी जो रुपया सरकार की जेब में जा रहा है वह तो बंद हो जाएगा। मगर यह रुपया अब सीधे नेताओं की जेब में पहुंचे कुछ ऐसी प्लानिंग मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा की जा रही है।

यह बात मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने उज्जैन कांग्रेस कार्यालय पर आयोजित बैठक के दौरान मीडिया से कही। शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी ने बताया कि 27 जनवरी 2025 को विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और सांसद प्रियंका गांधी महू डॉ. भीमराव अंबेडकर की जन्मस्थली पर आने वाले हैं। यह आयोजन भव्य रूप से संपन्न हो, इसी की तैयारी के लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी उज्जैन आए थे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एजेंसियां ठीक ढंग से काम कर दें तो पूरा मंत्रिमंडल जेल की सलाखों में होगा। गोविंद सिंह राजपूत के मामले में आपने कहा कि उन पर कई प्रकार के आरोप लगाए जा चुके हैं और सौरभ शर्मा के साथ भी उनका नाम जुड़ रहा है ऐसे व्यक्ति को तो जेल में होना चाहिए।

जीतू पटवारी ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बयान को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि भाजपा हमेशा संविधान का अपमान करती है और आरक्षण पर सवाल उठाती है। दो दिनों पहले आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने बयान दिया था कि 1947 में भारत को आजादी नहीं मिली थी।

यूपी में विरोधियों का किया जा रहा दमन: मायावती

» बसपा प्रमुख बोलीं- पुलिस से चलाया जा रहा राज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने यूपी में पुलिस राज कायम होने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था के नाम पर दमनकारी नीति अपनाई जा रही है। इसके तहत अधिकतर गरीबों, मजलूमों, बेसहारा और मेहनतकश लोगों को अंधाधुंध गिरफ्तार करके जेलों में कैद किया जा रहा है। जो कि चिंतनीय है।

हाल ये है कि सिविल मामलों को भी क्रिमिनल केस की तरह देखा जा रहा है और विरोधियों का दमन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को कोर्ट की तरह गंभीर और संवेदनशील होकर संविधान धर्म की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यूपी में सत्ताधारी लोगों के हर जुर्म की अनदेखी की जा रही है। क्या इसी से कानून व्यवस्था में सुधार होगा? जिलों में प्रशासन व पुलिस का रवैया ज्यादातर मामलों में राजनीतिक, सांप्रदायिक व जातिवादी है। इससे लोगों में धारणा बन रही है कि भाजपा की वोट बैंक की राजनीति के लिए पुलिस व प्रशासन का अनुचित इस्तेमाल किया जा रहा है। बैठक में उन्होंने संगठन के कार्यों की समीक्षा की और कार्यकर्ताओं से बसपा को तन, मन और धन से मजबूत करने की अपील की है। मायावती ने कहा कि दिल्ली में खुद के दम पर चुनाव लड़ रही बसपा इस बार बेहतर प्रदर्शन करेगी।

बसपा को खत्म करना चाहते हैं भाजपा व कांग्रेस जैसे दल

इसके पहले मायावती ने बुधवार को अपने जन्मदिन पर मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन का कोई भविष्य नहीं है। जिस दिन कांग्रेस व भाजपा जैसे जातिवादी दलों के लुभावने वादों वाली राजनीति को जनता भांप जाएगी, तब बसपा फिर से वापसी करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस व भाजपा जैसे दल बसपा को खत्म करना चाहते हैं।

ग्लेशियरों, पेड़-पौधों और प्रकृति की रक्षा के लिए मतदान करें: वांगचुक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने लोगों से पर्यावरण के मुद्दों पर मतदान करने के अपने लोकतांत्रिक अधिकार का उपयोग करने का आग्रह करते हुए कहा कि ग्लेशियरों को पिघलने से रोकने, पौधों को बचाने और प्रकृति मां की रक्षा के लिए वोट डाला जाना चाहिए।

लद्दाख के छात्रों के शैक्षिक और सांस्कृतिक आंदोलन के संस्थापक-निदेशक, 58 वर्षीय हरित कार्यकर्ता वांगचुक ने कहा कि आदर्श रूप से, हमारे पास विधायी और संसदीय निकायों में ऐसे जनप्रतिनिधि होने चाहिए जो पर्यावरण और जलवायु मुद्दों पर निरंतर और अधिक सक्रियता से काम करें। उन्होंने नागरिकों को लोकतांत्रिक अधिकारों का उपयोग करने तथा मतपत्र (ईवीएम) का उपयोग करने'' के लिए प्रोत्साहित किया। एक गैर सरकारी संगठन द्वारा आयोजित कार्यक्रम प्रकृति, लद्दाख और जलवायु परिवर्तन पर चिंतन सोनम वांगचुक के साथ बातचीत में वांगचुक से पूछा गया कि क्या वे अपने हरित मिशन में किसी राजनीतिक दल का समर्थन करेंगे? उन्होंने कहा कि मैं कहूंगा कि अगर (पर्यावरण को बचाने में) कोई बदलाव नहीं होता है, तो सरकार को बदलना होगा।

दिल्ली चुनाव : बीजेपी को लगा जोर का झटका

जूता बांटने के आरोपों के बाद चुनाव आयोग ने दिये निर्देश

केजरीवाल की सुनामी में अभी से उखड़ने लगा बीजेपी का चुनावी प्रचार अभियान

» आप संयोजक के विरूद्ध लड़ रहे बीजेपी उम्मीदवार प्रवेश वर्मा के खिलाफ एफआईआर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव में बीजेपी को जोर के झटके लगातार लग रहे हैं। बीजेपी की दिल्ली में ताजा मुसीबत प्रवेश सहिब सिंह वर्मा पर चुनाव आयोग की ओर से एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिये जाना है। पहले से बैकफुट पर बीजेपी का यह करारा झटका लगा है। क्योंकि एफआईआर दर्ज होने के निर्देशों से आम आदमी पार्टी के उन आरापों को मजबूती मिल रही है जिसमें पार्टी ने बीजेपी पर मतदाताओं को लुभाने के लिए जूते आदि बांटने के आरोप लगाये थे।

आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल के खिलाफ नई दिल्ली सीट से चुनाव लड़ रहे प्रवेश वर्मा की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। चुनाव आयोग ने उन पर एक्शन लिया है। प्रवेश वर्मा पर आदर्श आचार संहिता उल्लंघन का आरोप लगा है। उन पर वाल्मीकि मंदिर परिसर में वोटर्स को जूते बांटने का आरोप है। रिटर्निंग ऑफिसर ने पुलिस में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की अनुरोध किया है। आम आदमी पार्टी ने उन पर मतदाताओं को लालच देने के आरोप लगाए थे, इसी के बाद इलेक्शन कमीशन ने कदम उठाया।

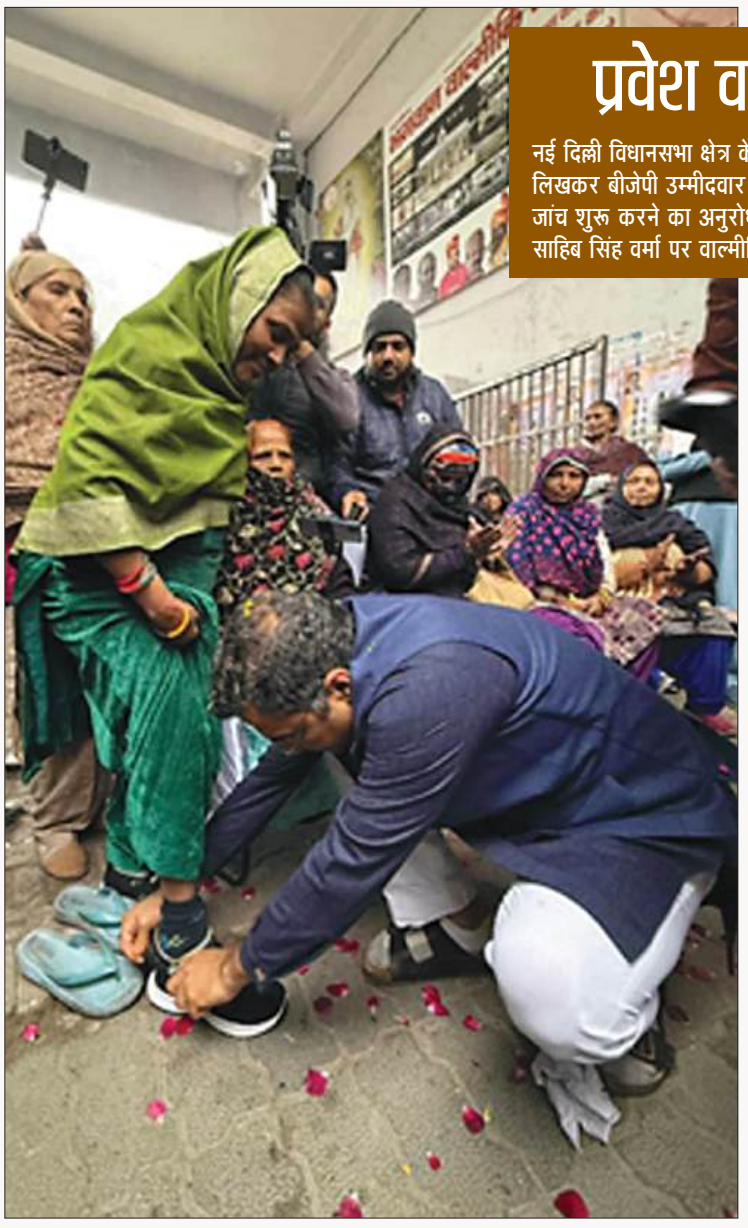

प्रवेश वर्मा पर दर्ज होगी एफआईआर

नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफिसर ओपी पांडे ने मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन के एसएचओ को पत्र लिखकर बीजेपी उम्मीदवार प्रवेश साहिब सिंह वर्मा के खिलाफ शिकायत पर एफआईआर दर्ज करने और तत्काल जांच शुरू करने का अनुरोध किया है। रिटर्निंग ऑफिसर ने शिकायत में लिखा कि बीजेपी उम्मीदवार प्रवेश साहिब सिंह वर्मा पर वाल्मीकि मंदिर के धार्मिक परिसर में जूते बांटने के आरोप लगे हैं।

भाजपा ने जारी की उम्मीवारों की चौथी लिस्ट

आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने गुरुवार को नौ प्रत्याशियों की अपनी चौथी लिस्ट जारी कर दी। पार्टी ने शिखा राय को ग्रेटर कैलाश से टिकट दिया है। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता सौरभ भारद्वाज के खिलाफ शिखा राय चुनाव लड़ेंगी। शिखा राय पेशे से वकील हैं और वह 2020 में ग्रेटर कैलाश से विधानसभा का चुनाव ल? चुकीं हैं। उन्हें भारद्वाज के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। वह भाजपा की दिल्ली ईकाई में सचिव, महासचिव और उपाध्यक्ष के पद के आलावा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष रह चुकी हैं।

केजरीवाल के पक्ष में हवा

हालांकि भारतीय जनता पार्टी की ओर से अधिकारिक तौर पर मुख्यमंत्री का चेहरा नहीं घोषित किया गया है। पूर्व सीएम केजरीवाल ने इस मुददे पर भी बीजेपी को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा था कि बीजेपी बिना दुल्हे की बारात है। हालांकि प्रवेश वर्मा केजरीवाल के विरूद्ध चुनाव लड़ रहे हैं। ऐसे में वह पार्टी के बड़े नेता और अगुवाकार माने जाएंगे। यदि यदि प्रवेश वर्मा पर एफआईआर दर्ज हो जाती है और आरोप सिद्ध हो जाते हैं तो उनकी दावेदारी कैंसिल हो जाएगी और केजरीवाल बिना चुनाव लड़े ही चुनाव जीत जाएंगे।

दिल्ली चुनाव में हम आप के साथ : अभिषेक बनर्जी

तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा कि उनकी पार्टी कांग्रेस के बजाय आप के साथ खड़ी रहेगी, क्योंकि आप में नई दिल्ली में भाजपा को हराने की क्षमता है। यह स्वीकार करते हुए कि तृणमूल के भीतर अंदरूनी कलह थी, उन्होंने स्पष्ट किया

कि जब कोई राजनीतिक दल विकास के दौर से गुजर रहा हो तो गुटबाजी एक स्वाभाविक लक्षण है। उन्होंने कहा कि जब हमने इंडिया ब्लॉक का गठन किया, तो हम एक निर्णय का पालन करने के लिए सहमत हुए थे। हम सभी ने उस फैसले का समर्थन किया था। जो एक क्षेत्र में ताकतवर होगा, बाकी सभी पार्टियां उसका समर्थन करेंगी। बंगाल में तृणमूल कांग्रेस ताकतवर है। इसलिए, कांग्रेस, सपा, आप, राकांपा और भारत के अन्य सभी गठबंधन सहयोगी राज्य में तृणमूल के साथ खड़े होंगे। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि हम उस पार्टी का समर्थन करेंगे जो बीजेपी के खिलाफ अपनी एकमात्र ताकत का इस्तेमाल कर रही है। जब हमारा लक्ष्य बीजेपी को हराना है तो हम बीजेपी के खिलाफ ताकत को कमजोर क्यों करेंगे? नहीं तो इससे बीजेपी को फायदा होगा।

आतिशी और संजय सिंह को कोर्ट का नोटिस

पूर्व कांग्रेस सांसद संदीप दीक्षित द्वारा दायर आपराधिक मानहानि शिकायत के जवाब में दिल्ली की अदालत ने मुख्यमंत्री आतिशी और आप सांसद संजय सिंह को तलब किया है। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पारस दलाल की अध्यक्षता वाली अदालत ने आप नेताओं से 27 जनवरी तक अपना जवाब देने का अनुरोध किया

है। मानहानि की शिकायत एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान आतिशी और सिंह द्वारा लगाए गए आरोपों पर केंद्रित है, जहां उन्होंने कथित तौर पर दावा किया था कि दीक्षित को भाजपा से बड़ी मात्रा में धन मिला था। इसके अतिरिक्त, दीक्षित ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने आप की चुनावी स्थिति को कमजोर करने के लिए भाजपा के साथ साझेदारी की है। संदीप दीक्षित वर्तमान में दिल्ली विधानसभा चुनाव में नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को चुनौती दे रहे हैं। मामले को 27 जनवरी की समयसीमा के बाद आगे की विवेचना के लिए निर्धारित किया गया है। नई दिल्ली से कांग्रेस उम्मीदवार संदीप दीक्षित ने कहा कि मैंने केस दायर कर दिया है। अब उन्हें सबूत देना चाहिए।

कांग्रेस ने एक और लिस्ट की जारी

कांग्रेस ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए अपने प्रत्याशियों की एक और लिस्ट जारी की है। कांग्रेस ने इस लिस्ट में दो उम्मीदवारों का एलान किया है। कांग्रेस ने तिमारपुर विधानसभा से लोकेंद्र चौधरी और रोहताश नगर विधानसभा से सुरेश चौहान को टिकट दिया गया है। यहां कांग्रेस की पांचवी लिस्ट है। इसी के साथ ही कांग्रेस ने दिल्ली की 70 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवारों का एलान कर दिया है। इससे पहले कांग्रेस ने चौथी लिस्ट जारी की थी। वहीं, मंगलवार को जारी सूची में पूर्व केंद्रीय मंत्री कृष्णा तीरथ को पटेल नगर से, पूर्व विधायक कुंवर करण सिंह को मॉडल टाउन से, मीक्ष शर्मा को घोंडा से और पूर्व विधायक आसिफ मोहम्मद खान की पार्षद बेटी अरीबा खान को ओखला से उतारा गया है।अरीबा बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान की भतीजी हैं। धर्मपाल लकड़ा को मुंडका से जबकि मुबारिकपुर डबास वार्ड से पार्षद राजेश गुप्ता को किराड़ी से टिकट दिया गया है। कांग्रेस ने गोकलपुर से उम्मीदवार बदला है। यहां प्रमोद जयंत के स्थान पर पूर्व पार्षद ईश्वर बांगड़ी को उम्मीदवार बनाया है।

केजरीवाल के हलफनामे पर बीजेपी का सवाल

आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र से अपना नामांकन दाखिल किया, जिसमें उन्होंने अपने परिवार की कुल संपत्ति 4.2 करोड़ रुपये घोषित की। 2020 में, केजरीवाल ने 3.4 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की थी, जो 2015 से 1.3 करोड़ रुपये की मामूली वृद्धि थी। 2015 में केजरीवाल की कुल संपत्ति 2.1 करोड़ रुपये थी। चुनाव आयोग को सौंपे गए केजरीवाल के हलफनामे के अनुसार, केजरीवाल के पास कुल 3,46,849 रुपये की चल संपत्ति है, जिसमें 50,000 रुपये नकद शामिल हैं। उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल के पास 1,00,89,655 रुपये की चल संपत्ति है, जिसमें 42,000 रुपये नकद शामिल हैं। उनकी अचल संपत्ति 1.7 करोड़ रुपये की है। हलफनामे में यह भी खुलासा हुआ कि केजरीवाल के पास कोई घर या कार नहीं है। हालांकि, इसको लेकर सियासत तेज हो गई है। दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि 2014-15 से, अरविंद केजरीवाल अपने आय स्रोत को विधायक पारिश्रमिक के रूप में दिखाते हैं। बिना किसी अन्य स्रोत के 2020-21 में उनकी आय 40ल कैसे बढ़ गई। ये पैसा कहां से आया? उन्होंने कहा कि 2020-21 वह समय था जब लोग कोविड के कारण घर पर थे, वे उस समय लोगों की जान बचाने में लगे हुए थे। उस समय आप और आपके शराब मंत्री दिल्ली की शराब नीति बना रहे थे। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा है की फरवरी 2023 में वेतन भत्ते वृद्धि से पूर्व में दिल्ली में तत्कालीन मुख्य मंत्री अरविंद केजरीवाल को 72,000 रुपए प्रति माह मिलता होगा जो वृद्धि के बाद 1,70,000 रुपए प्रति माह मिला होगा। इसी तरह जब वह पूर्व में 2014-15 में 7 माह सामान्य विधायक रहे तो उन्हे 55,000 रूपए का वेतन एवं भत्ते मिले होंगे। अब 17 सितम्बर 2015 के बाद से फिर उन्हे सामान्य विधायक का 90,000 रूपए वाला वेतन मिल रहा होगा। इस हिसाब से चलते हुए हम देखें तो अरविंद केजरीवाल के 2013-14 से 2024-25 तक की जो बेसिक बिना भत्ता आय भी बनती है वह उनके द्वारा कल 15 जनवरी 2025 को नामांकन पत्र दायर करते हुए जो हालफनामा दायर किया है उसमें दिए विवरण से मेल नही खाती। उन्होंने कहा कि इस हिसाब से चलते हुए हम देखें तो अरविंद केजरीवाल के 2013-14 से 2024-25 तक की जो बेसिक बिना भत्ता आय भी बनती है वह उनके द्वारा कल 15 जनवरी 2025 को नामांकन पत्र दायर करते हुए जो हालफनामा दायर किया है उसमें दिए विवरण से मेल नही खाती।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों पर फिर दुनिया की नजर!

आज कल एक और नये चीनी वायरस ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के संक्रमण ने पूरी दुनिया में दहशत फैला दी है। भारत में भी इसके कई मरीज मिले हैं। पहले तो सरकार ने कहा कि भारत में इसका प्रभाव नहीं होगा पर सरकारों की चूक व समन्वय की कमी की वजह से यह देश केकई राज्यों में फैल गसा हालांकि अभी फिलहाल यह नियंत्रण में हैं। इस संक्रमण को लेकर फिर देशी चिकित्सकीय प्रणली की चर्चा होने लगी है। इस बीमारी के उपचार को लेकर दुनिया भारत की प्राचीन प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धति की ओर आशाभरी निगाहों से देख रही है । निस्संदेह, आधुनिक चिकित्सा पद्धति ने शोध-अनुसंधान व बड़े पूंजी निवेश के चलते अप्रत्याशित स्वास्थ्य उन्नति एवं चिकित्सा क्रांति की है। बावजूद इसके आधुनिक समय में भी प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धतियां असाध्य बीमारियों के लिये कारगर बनी हुई है। भारत ही नहीं, विदेशों में भी भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों की स्वीकार्यता बनी है।

आंकड़ों के अनुसार 2014 में जो आयुष बाजार 2.8 अरब डॉलर था, उसका आकार बीते साल तक 43.4 अरब डॉलर हो गया है। इतना ही नहीं प्राकृतिक चिकित्सा उत्पादों का निर्यात भी दुगना हुआ है। जिससे इस पद्धति की अंतर्राष्ट्रीय स्वीकार्यता का पता चलता है। यानी इन्हें एक पूरक चिकित्सा के रूप में मान्यता मिल रही है। इन स्थितियों को देखते हुए यदि आधुनिक विज्ञान व परंपरागत चिकित्सा पद्धति में समन्वय बने तो मानवता कल्याण का नया रास्ता उद्घाटित होगा। प्राकृतिक चिकित्सा प्रणाली चिकित्सा की एक रचनात्मक विधि है, जिसका लक्ष्य प्रकृति में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध तत्त्वों के उचित इस्तेमाल द्वारा रोग का मूल कारण समाप्त करना एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाना है। यह न केवल एक चिकित्सा पद्धति है बल्कि मानव शरीर में उपस्थित आंतरिक महत्त्वपूर्ण शक्तियों या प्राकृतिक तत्त्वों के अनुरूप एक जीवन-शैली है। यह जीवन कला तथा विज्ञान में एक सम्पूर्ण क्रांति है। इसमें प्राकृतिक भोजन, विशेषकर ताजे फल तथा कच्ची व हलकी पकी सब्जियाँ विभिन्न बीमारियों के इलाज में निर्णायक भूमिका निभाती हैं। योग, ध्यान एवं संतुलित जीवनशैली इस चिकित्सा के आधार है। डब्ल्यूएचओ की वैश्विक रिपोर्ट (2019) के अनुसार, दुनिया भर में इस्तेमाल की जा रही पारम्परिक चिकित्सा की विभिन्न प्रणालियों में, एक्यूपंक्चर, हर्बल दवाएँ, स्वदेशी पारम्परिक चिकित्सा, होम्योपैथी, पारम्परिक चीनी चिकित्सा, प्राकृतिक चिकित्सा, कायरोप्रैक्टिक, ऑस्टियोपैथी, आयुर्वेद व यूनानी उपचार शामिल हैं। डब्ल्यूएचओ के 170 सदस्य देशों ने अपनी आबादी द्वारा पारम्परिक चिकित्सा के उपयोग पर रिपोर्ट दी है।

निस्संदेह, आधुनिक चिकित्सा पद्धति ने शोध-अनुसंधान व बड़े पूंजी निवेश के चलते अप्रत्याशित स्वास्थ्य उन्नति एवं चिकित्सा क्रांति की है। बावजूद इसके आधुनिक समय में भी प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धतियां असाध्य बीमारियों के लिये कारगर बनी हुई है। भारत ही नहीं, विदेशों में भी भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों की स्वीकार्यता बनी है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

दिल्ली व दिल से दूरी घटाने की कवायद

प्रदीप मिश्र

केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के लिए 2025 की शुरुआत से सौगातें बरस रही हैं। जनवरी के पहले सप्ताह में जम्मू को नया रेल मंडल और दूसरे सप्ताह कश्मीर के गांदरबल में सोनमर्ग सुरंग का शुभारंभ हुआ है। सुखद संकेतों का सिलसिला 26 जनवरी और फरवरी में पेश होने वाले बजट में भी नजर आया तो नए सियासी समीकरण भी बनना तय है। हालिया तोहफे जम्मू और कश्मीर के भेदभाव रहित विकास का द्योतक तो हैं ही, सामाजिक-आर्थिक संरचना को सुव्यवस्थित करने के साथ ही चीन और पाकिस्तान को सामरिक सशक्तीकरण और आधुनिकीकरण का भी संदेश है। पांच अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद विधानसभा चुनाव के क्रम में दोनों फैसलों से पता चलता है कि केंद्रशासित प्रदेश की सरकार ने सही परिप्रेक्ष्य में समझ कर योजनाओं का क्रियान्वयन शुरू कर दिया है।

दोनों सरकारों में बढ़ी समझदारी बता रही है कि जम्मू-कश्मीर में राज्य का अध्याय जल्द शुरू नहीं होगा। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की राज्य के दर्जे की बहाली की मांग मानने से पहले मोदी सरकार भाजपा के राजनीतिक विस्तार की बुनियाद को कश्मीर में भी मजबूत करने में कोर-कसर नहीं छोड़ेगी। अनुच्छेद 370 से मुक्त होने के बाद जम्मू-कश्मीर को शेष देश के रेल नेटवर्क से जोड़ने के लिए तेजी से बढ़े कदमों का नतीजा है कि जम्मू के साथ कश्मीर भी भारत का 'अभिन्न अंग' वास्तविक तौर पर अब होगा। कश्मीर से कन्याकुमारी ही नहीं, कच्छ, कामरूप और कोलकाता से कश्मीर के जुड़ाव से सामाजिक और सांस्कृतिक समरसता के अलावा आध्यत्मिक और धार्मिक गतिविधियों को विस्तार मिलेगा। पर्यटन को पंख लगेंगे तो आर्थिकी की रफ्तार बढ़ेगी और फिर जम्मू के लखनपुर से लद्दाख के लेह तक के लोगों का कायाकल्प होना तय है। यही नहीं, केंद्र ने जम्मू में बनाए गए 742 किलोमीटर के रेल मंडल के रूप में पंजाब के पठानकोट, हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा, धर्मशाला शहर के अलावा माता ज्वाला देवी, माता चामुंडा देवी शक्तिपीठ के साथ ही केंद्रशासित लद्दाख के लेह को इसके दायरे में लाकर सीमावर्ती क्षेत्रों तक सुरक्षा तंत्र को सुदृढ़ और सुसंगठित करने का इरादा जता दिया है।

दरअसल, कश्मीर घाटी को रेलवे रूट से जोड़ने की योजना 1997 में बनी थी। करीब तीन दशक की मशक्कत के बाद यह सपना सच हो रहा है। अब नया कश्मीर नजर आने लगा है। जल्दी ही जम्मू-श्रीनगर के बीच चलने वाली ट्रेनें

माता वैष्णोदेवी के साथ कश्मीर में मार्तंड सूर्य मंदिर के भी दर्शन कराएंगी। साथ ही अनंतनाग-बिजबेहड़ा-पहलगाम के अलावा अवंतीपोरा-शोपियां (28 किलोमीटर) रेल लाइन का सर्वे चल रहा है। इसके निर्माण के बाद बाबा बर्फानी के दर्शनार्थी और पर्यटक सुखद और रोमांचक यात्रा का आनंद ले सकेंगे। साथ ही नियंत्रण रेखा पर सुरक्षा प्रहरियों की पहुंच शीघ्र सुनिश्चित करने के लिए बारामुला-उड़ी, बारामुला-कुपवाड़ा, जम्मू-पुंछ वाया अखनूर-राजोरी और मनवाल वाया रामकोट-बिलावर-दुनेरा नई रेलवे लाइन बिछाने की डीपीआर बनाई जा रही है। बारामुला-बनिहाल रेलवे लाइन के दोहरीकरण का भी प्रस्ताव है। फिलहाल, सोनमर्ग की सुरंग ने लद्दाख के साथ हर मौसम में संपर्क का रास्ता खोल दिया है। आगे के सुगम मार्ग के लिए जोजिला इसका अगला पड़ाव है। अब केंद्रशासित प्रदेश के बजट से जम्मू-कश्मीर को बड़ी उम्मीदें हैं। बजट के प्रावधान और रियायतें केंद्र के अगले लक्ष्य की ओर इशारा करेंगे। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इसके मद्देनजर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का गंभीर आर्थिक हालत पर ध्यान दिलाया है। उन्होंने केंद्र से गुहार लगाई है कि जम्मू-कश्मीर को पूर्वोत्तर के राज्यों की श्रेणी में रखा जाए, जिसमें इन राज्यों को कर्ज देने के लिए विशेष उपाय किए गए हैं। वे चाहते हैं कि पूंजीगत निवेश में विशेष सहायता के लिए उन्हें 50 साल के लिए ब्याज मुक्त ऋण दिए जाने वाले प्रदेशों की सूची में भी शामिल किया जाए। यहां जानना जरूरी है कि 2024-25 के बजट में केंद्र शासित प्रदेश में छह हजार करोड़ का राजस्व घाटा है। जीडीपी के मुकाबले कर्ज की राशि तेजी से बढ़ रही है। आर्थिक स्थिति और समन्वय का अभाव ही है कि विधानसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों को तीन महीने बाद जनवरी में केवल एक महीने का वेतन मिल पाया है।

'दिल्ली से दूरी' और 'दिल की दूरी' कम करने के लिए जम्मू-कश्मीर में कम करने के लिए 42 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाएं चल रही हैं। दूसरी तरफ आतंकवाद मुक्त जम्मू-कश्मीर की कवायद भी है। इस बीच राज्य के दर्जे की बहाली के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से मिल चुके मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला वर्तमान परिस्थितियां समझ गए हैं।

धरती को गर्म करने में मंगल की भूमिका

मुकुल व्यास

मंगल का पृथ्वी के साथ एक अनोखा संबंध है। वैज्ञानिकों का कहना है कि मंगल पृथ्वी की जलवायु को प्रभावित करता है। यह बात कुछ अजीब-सी लगती है कि मंगल का गुरुत्वाकर्षण पृथ्वी को सूर्य के करीब खींचता है, जिससे हमारी जलवायु गर्म होती है। नए शोध से मंगल के गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र और पृथ्वी की जलवायु के बीच रिश्ते का संकेत मिलता है। 6.5 करोड़ वर्ष पुराने भूवैज्ञानिक साक्ष्य बताते हैं कि पृथ्वी पर गहरे समुद्र की धाराएं हर 24 लाख वर्षों में शक्ति के चक्रों से गुजरती हैं। इन चक्रों को 'खगोलीय विराट चक्र' कहा जाता है। वैज्ञानिकों के अनुसार ये चक्र पृथ्वी और मंगल के बीच गुरुत्वाकर्षण संबंधों से जुड़े हुए प्रतीत होते हैं। गहरे समुद्र की धाराएं मजबूत और कमजोर चरणों के बीच बारी-बारी से आती हैं और समुद्र तल पर तलछट के संचय को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती हैं। मजबूत धाराओं की अवधि के दौरान शक्तिशाली हलचल रसातल तक पहुंचती है और वहां जमा तलछट को नष्ट कर देती है।

सिडनी विश्वविद्यालय में भूभौतिकी के प्रोफेसर और अध्ययन के सह-लेखक डाइटमार मुलर ने बताया कि सौर मंडल में ग्रहों के गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र एक-दूसरे के साथ हस्तक्षेप करते हैं। इस अंत: क्रिया के कारण मंगल का गुरुत्वाकर्षण खिंचाव पृथ्वी को सूर्य के थोड़ा करीब खींचता है, जिससे सौर विकिरण बढ़ता है और जलवायु गर्म होती है। समय के साथ, पृथ्वी फिर से पीछे की ओर खिसकती है, और यह चक्र लगभग हर 24 लाख वर्ष में पूरा होता है। यह सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण प्रभाव पृथ्वी के दीर्घकालिक जलवायु पैटर्न को आकार देने में भूमिका निभा सकता है। हमारे सौर मंडल में प्रत्येक ग्रह, चंद्रमा, क्षुद्रग्रह और यहां तक कि छोटे धूल कण गुरुत्वाकर्षण बलों के कारण एक बड़े पिंड के चारों ओर एक विशिष्ट पथ या कक्षा का अनुसरण करते हैं।

मंगल और पृथ्वी अण्डाकार पथों में सूर्य की परिक्रमा करते हैं, लेकिन पृथ्वी सूर्य के करीब है और अपनी कक्षा में तेजी से चलती है। पृथ्वी को एक परिक्रमा पूरी करने में लगभग 365 दिन लगते हैं जबकि मंगल को लगभग 687 दिन लगते हैं। शोधकर्ताओं ने लाखों वर्षों के दौरान समुद्र तल पर तलछट संचय का मानचित्रण करने के लिए उपग्रह डेटा का उपयोग किया। टीम ने भूगर्भीय रिकॉर्ड में अंतराल की खोज की, जिससे पता चलता है कि मंगल के प्रभाव के कारण गर्म अवधि के दौरान शक्तिशाली समुद्री धाराओं ने तलछट के जमाव को बाधित किया होगा। ये निष्कर्ष इन साक्ष्यों को बल प्रदान करते हैं कि मंगल के गुरुत्वाकर्षण खिंचाव सहित खगोलीय यांत्रिकी, पृथ्वी की जलवायु को प्रभावित करती है। नए निष्कर्ष ग्रहों की कक्षीय यांत्रिकी और पृथ्वी की प्राकृतिक प्रणालियों के परस्पर संबंध पर जोर देते हैं, और इस बात पर एक नया दृष्टिकोण प्रदान करते हैं कि ब्रह्मांड लाखों वर्षों में हमारे ग्रह की जलवायु को कैसे आकार दे सकता है। शोधकर्ताओं ने स्पष्ट किया है कि गर्मी के इस प्रभाव का मानव गतिविधियों से हो रही वर्तमान ग्लोबल वार्मिंग से संबंध नहीं है। अध्ययन के निष्कर्ष बताते हैं कि ये चक्र उन परिदृश्यों में भी समुद्री धाराओं को बनाए रखने में मदद कर सकते हैं जहां आज ग्लोबल वार्मिंग उन्हें कमजोर कर सकती है। ऐसी ही एक महत्वपूर्ण धारा अटलांटिक मेरिडियनल ओवरटर्निंग सर्कुलेशन (एएमओसी) है, जिसे अक्सर समुद्र की कन्वेयर बेल्ट के रूप में जाना जाता है। यह प्रणाली उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों से उत्तरी गोलार्ध में गर्म पानी पहुंचाती है और गहरे समुद्र में गर्मी के वितरण को सुगम बनाती है।

हालांकि, कुछ वैज्ञानिक आने वाले दशकों में एएमओसी के संभावित पतन की भविष्यवाणी कर रहे हैं। उनका कहना है कि इस धारा के बंद होने से हमारे समक्ष बड़ी चुनौतियां प्रकट हो सकती हैं। विशेष रूप से उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में गर्मी और उत्तरी एटलांटिक क्षेत्र में तूफान की घटनाएं बढ़ सकती हैं। एटलांटिक धारा के बंद होने से विश्व स्तर पर गर्मी और वर्षा का वितरण प्रभावित होगा। इसका पृथ्वी की जलवायु पर बहुत गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। पृथ्वी की जलवायु में समुद्री धाराओं की भी एक बड़ी भूमिका होती है। समुद्री धारा दरअसल गुरुत्वाकर्षण, हवा और जल के घनत्व द्वारा संचालित समुद्री जल का निरंतर दिशात्मक प्रवाह है। समुद्री धाराएं समुद्र में निर्धारित मार्गों का अनुसरण करती हैं। वे एक प्रकार से समुद्र में बहने वाली नदियां हैं। वे पानी की सतह पर हो सकती हैं या गहरे समुद्र में भी जा सकती हैं। कुछ धाराएं बहुत बड़ी हैं। जापान की कुरोशियो धारा का आयतन 6,000 बड़ी नदियों के बराबर है। समुद्री धाराओं की प्रणाली गर्मी के हस्तांतरण, जैव विविधता में भिन्नता और पृथ्वी की जलवायु प्रणाली के लिए जिम्मेदार है।

यदि कार्बन डाइऑक्साइड और मीथेन जैसी ग्रीनहाउस गैसों का वर्तमान उत्सर्जन जारी रहता है, तो उष्णकटिबंधीय और एटलांटिक क्षेत्र के सबसे उत्तरी हिस्सों के बीच गर्मी, ठंड और वर्षा का पुनर्वितरण करने वाली महत्वपूर्ण समुद्री धाराएं वर्ष 2060 के आसपास बंद हो जाएंगी। यह निष्कर्ष डेनमार्क के कोपेनहेगन विश्वविद्यालय की नई गणनाओं पर आधारित है। अपने अध्ययन में इस विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने भविष्यवाणी की है कि यदि हम ग्रीनहाउस गैसों का वर्तमान स्तर पर उत्सर्जन जारी रखते हैं तो समुद्री धाराओं की प्रणाली पूरी तरह से बंद हो जाएगी। उन्नत सांख्यिकीय उपकरणों और पिछले 150 वर्षों के समुद्र के तापमान डेटा का उपयोग करते हुए शोधकर्ताओं ने गणना की कि एटलांटिक समुद्री धारा, जिसे थर्मोहेलाइन सर्कुलेशन भी कहा जाता है, 2025 और 2095 के बीच बंद हो जाएगी।

भारत के पांच सबसे खूबसूरत ट्रैक

बर्फ से ढकी चोटियों से लेकर जीवंत घाटियों तक, भारत में कई ऐसे अविश्वसनीय और अद्भुत नजारों वाली जगहें हैं, जहां पैदल यात्रा का आनंद लेना रोमांचकारी हो सकता है। पथरीले रास्तों के जरिए पहाड़ी पर ट्रैकिंग के लिए जाना सच में मजेदार अनुभव हो सकता है। इन जगहों को भारत के सबसे खूबसूरत ट्रैक की सूची में शामिल किया जा सकता है। भारत दुनिया के कुछ सबसे लुभावने ट्रेकिंग गंतव्यों का घर है, जिनमें से हर एक स्थान अद्वितीय दृश्य और रोमांचक अनुभव प्रदान करता है। आश्चर्यजनक परिदृश्यों का पता लगाने और प्रकृति से जुड़ने के लिए देश के 7 अविश्वसनीय ट्रैकिंग का लुत्फ इन महीनों में उठा सकते हैं।

यहां के अद्भुत नजारे कर देंगे मंत्रमुग्ध

रूपकुंड ट्रैक

रूपकुंड झील जिसका नाम सुनते ही इन्सानों के कंकाल की छवि मस्तिष्क में आ जाती है। रूपकुंड झील जिसे मुर्दों की झील कहते है। जहां आज भी कई सैकड़ों लोगो के अनगिनत कंकाल पड़े है। जहां जाने की किसी हिम्मत नहीं होती। उत्तराखंड का रूपकुंड ट्रैक प्राचीन कंकालों से भरी अपनी रहस्यमयी झील के लिए मशहूर है। यहां के लुभावने पहाड़ी दृश्यों के लिए के कारण ये पर्यटकों के बीच आकर्षण का केंद्र है। इस स्थान पर ट्रैकिंग का सबसे अच्छा समय मई- जून और सितंबर से अक्तूबर का है।

केदारकंठ ट्रैक

हर साल देश-विदेश से लोग ट्रैकिंग के लिए केदारकांठा आते हैं। सर्दियों में यहां आने वाले पर्यटकों की संख्या काफी बढ़ जाती है। समुद्र तल से लगभग 12500 फीट की ऊंचाई पर स्थित केदारकांठा, गोविंद पशु विहार राष्ट्रीय उद्यान के अंतर्गत गढ़वाल हिमालय उत्तरकाशी, उत्तराखंड क्षेत्र में स्थित है। यह ट्रेक उत्तराखंड के सबसे लोकप्रिय ट्रेक में से एक है। केदार कांठा ट्रेक की ऊंचाई 12,500 फीट है। उत्तराखंड में कई अलौकिक दृश्यों वाली जगह हैं। ट्रैकिंग का शौक रखने वाले उत्तराखंड के विभिन्न ट्रैक में से कोई भी अपना सकते हैं, हालांकि केदारनाथ ट्रैक सबसे खूबसूरत माना जाता है। ट्रैकिंग पर पहली बार जाने वाले यानी बिगिनर्स के लिए यह ट्रैक बेहतरीन विकल्प है।

हंपटा पास

हिमाचल प्रदेश का हंपटा पास सुंदर ट्रैक है जहां हरी भरी घाटियों और शुष्क रेगिस्तानों के विपरीत परिदृश्यों का अनुभव कर सकते हैं। हंपटा पास कुल्लू मनाली की घाटियों से शुरू होकर लाहौल की चंद्रा घाटी तक जाता है। हम्टा पास ट्रैक उन सभी लोगों के लिए आदर्श गंतव्य है जो पहाड़ों से प्यार करते हैं और विशालकाय पहाड़ों की गोद में रोमांच का अनुभव करना चाहते हैं। इस ट्रेक की सबसे आकर्षक बात इसकी मध्यम ऊंचाई है जो इसे नौसिखियों और शौकिया पर्वतारोहियों के लिए एकदम सही बनाती है। इस ट्रेक में एक ट्रैकर अधिकतम 14000 फीट की ऊंचाई चढ़ सकता है। इसमें अनुकूलन की कोई विशेष आवश्यकता नहीं है।

त्रिउंड ट्रैक

त्रिउंड एक शांत और आकर्षक ट्रेकिंग गंतव्य है। धर्मशाला से 18 किमी दूर धौलाधार रेंज की गोद में बसा यह स्थान एक तरफ भव्य धौलाधार के नज़ारे दिखाता है और दूसरी तरफ मनमोहक कांगड़ा घाटी के नज़ारे अद्भुत हैं। त्रिउंड ट्रैक एक चुनौतीपूर्ण ट्रेक है, जो सभी उम्र के ट्रेकर्स के बीच लोकप्रिय है। जो कि शानदार नज़ारों वाला एक छोटा लेकिन रोमांचक ट्रेक है। त्रिउंड ट्रैक हरा भरा अल्पाइन घास का मैदान है।

संदकफू ट्रैक

पश्चिम बंगाल में संदकफू ट्रैक मशहूर है। ये ट्रैक भारत और नेपाल सीमा पर स्थित है, जहां से दुनिया की चार सबसे ऊंची चोटियों - एवरेस्ट, कंचनजंगा, मकालू और ल्होत्से के मनोरम दृश्यों देखे जा सकते हैं। ये पश्चिम बंगाल का सबसे ऊंचा स्थान है। अगर आप इस ट्रैक को घूमना चाहते हैं तो अप्रैल से मई और अक्टूबर से नवंबर के बीच जाएं। वसंत ऋतु के दौरान, इस ट्रेक पर, आप रोडोडेंड्रोन और मैगनोलिया के रंग-बिरंगे फूलों के बीच खुद को एक यादगार सैर का उपहार देंगे।

हंसना मना है

वाईफ- जानू हम ना..मंडे .. शॉपिंग, ट्यूसडे .. होटल, वेडनेसडे .. आउटिंग, थर्सडे .. डिनर, फ्राइडे.. मूवी, सैटरडे .. पिकनिक जायेंगे। कितना मजा आएगा ना। हसबैंड- यस, और संडे मंदिर.. वाइफ- क्यों..? हसबंड-भीख मांगने।

वाईफ- अगर मैं माउंट एवरेस्ट पर चढ़ूं तो आप मुझे क्या दोगे? हसबैंड- पगली, इसमें पूछने वाली क्या बात है। धक्का।

अमीर आदमी- आज मेरे पास 14 कार, 18 बाइक्स, 4 बंगले, 3 फार्महाउस है, तुम्हारे पास क्या है? गरीब आदमी- मेरे पास बेटा है, जिसकी गर्लफ्रेंड तेरी बेटी है।

दारू की वजह से बर्बाद शराबी ने कसम ली और घर से दारू की खाली बोतले फेंकने लगा, पहली बोतल फेंकते हुए बोला-तेरी वजहसे मेरी नोकरी गई दूसरी फेंकते हुए- तेरी वजह से मेरा घर बिका, तीसरी फेंकते हुए बोला- तेरी वजह से मेरी बीवी चली गई, चौथी भरी हुई निकली तो बोला तू साइड में हो जा पगली तू तो बेकसूर है।

एक बनिया अंतिम सांसे ले रहा था, और बोला मेरी बीबी कहां है? बीबी - यही हूं, बेटी कहां है? बेटी- यहीं हूं, बेटा कहां है? बेटा- यहीं हूं, बनिया- सब यहीं हो तो दूकान पर कौन है?

कहानी | घमंड कभी न करना

स्वामी विवेकानंद अपने लोकप्रिय शिकागो धर्म सम्मेलन के भाषण के बाद भारत वापस आ गये थे। अब उनकी चर्चा विश्व के हर देश में हो रही थी। स्वामी जी भारत वापस आकर एक दिन घूमते घूमते एक नदी के किनारे आ गये। वहां उन्होंने देखा कि एक नाव किनारा छोड़ चुकी है। तब वे नाव के वापस आने के इंतजार में वहीं किनारे पर बैठ गए। साधु ने स्वामी जी को वहां अकेला बैठा देखा स्वामी जी से पूछा, तुम यहां क्यों बैठे हुए हो? स्वामी जी ने जवाब दिया, मैं यहां नाव का इंतजार कर रहा हूं। साधु ने पूछा, तुम्हारा नाम क्या है? स्वामी जी ने कहा, मैं विवेकानंद हूं। साधु ने मजाक उड़ाते हुए कहा, अच्छा! तो तुम वो विख्यात विवेकानंद हो जिसको लगता है कि विदेश में जा कर भाषण दे देने से तुम बहुत बड़े महात्मा साधु बन सकते हो। फिर साधु ने बहुत ही घमंड के साथ, नदी के पानी के ऊपर चल कर अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया। साधु ने स्वामी जी से कहा, क्या पानी पर पैदल चल कर इस नदी को पार कर सकते हो? स्वामी जी ने साधु से कहा, इस बात में कोई शक नहीं कि आपके पास बहुत ही अद्भुत शक्ति है। आपको यह असाधारण शक्ति प्राप्त करने में कितना समय लगा। बहुत ही अभिमान के साथ साधु ने जवाब दिया, यह बहुत ही कठिन कार्य था। मैंने बीस सालों की कठिन तपस्या और साधना के बाद यह महान शक्ति प्राप्त की है। साधु का यह बताने का अंदाज बहुत ही अहंकार भरा था। यह देख कर स्वामी जी बहुत ही शांत स्वर में बोले, आपने अपनी जिन्दगी के बीस साल ऐसी विद्या को सीखने में बर्बाद कर दिए, जो काम एक नाव पांच मिनट में कर सकती है। आप ये बीस साल निर्धन बेसहारा गरीबों की सेवा में लगा सकते थे। या अपने ज्ञान और शक्ति का प्रयोग देश और देशवासियों की प्रगति में लगा सकते थे। परंतु आपने अपने बीस साल सिर्फ पांच मिनट बचाने के लिए व्यर्थ कर दिए, ये कोई बुद्धिमानी नहीं है। साधु सिर झुकाए खड़े रह गये और स्वामी जी नाव में बैठ कर नदी के दूसरी किनारे चले गए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष दूरदर्शिता एवं बुद्धिमानी से कई रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है। खर्चों में कमी करना होगी। व्यापार में सही निर्णय नहीं लेने से हानि हो सकती है। प्रमाद से बचें।

वृषभ व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद से बचें। नए कार्यों में लाभ होने की संभावना है। परिवार की तरक्की होगी। आपको अपने कर्म पर विश्वास रखते हुए कार्य करना चाहिए।

मिथुन प्रसन्नता रहेगी। दिन प्रतिकूल रह सकता है। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। अधिक लोभ-लालच न करें।

कर्क आज दूर से शोक समाचार मिल सकता है। भागदौड़ अधिक होगी। थकान रहेगी। वाणी पर नियंत्रण आवश्यक है। माता-पिता का स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

सिंह प्रसन्नता बनी रहेगी। नई योजनाओं का क्रियान्वयन होगा। रुके कार्य पूर्ण होंगे। मेहनत सफल रहेगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कन्या रचनात्मक कामों का प्रतिफल मिलेगा। पूर्व में किए गए कार्यों का शुभ फल प्राप्त हो सकेगा। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी।

तुला आज आपके कार्यों की समाज व परिवार में आलोचना हो सकती है। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। रोजगार में वृद्धि होगी। यात्रा सफल रहेगी। प्रसन्नता बनी रहेगी।

वृश्चिक नए कामों में सफलता मिलेगी। व्यापार अच्छा चलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। खर्च का बोझ बढ़ेगा। चोट व दुर्घटना से बचें। लेन-देन में सावधानी रखें।

धनु आज पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। दूर से अच्छी खबरें मिलेंगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक वातावरण सहयोगात्मक रहेगा।

मकर व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। आत्मविश्वास बढ़ने से व्यापारिक लाभ अधिक होने के योग हैं। यात्रा में सावधानी रखें। घर-बाहर पूछ-परख बढ़ेगी। कार्यसिद्धि होगी।

कुम्भ राजकीय सहयोग मिलेगा। रुके कार्य पूर्ण होंगे। अध्यात्म में रुचि रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। राज्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में उचित लाभ हो सकेगा।

मीन मित्रों की मदद से महत्वपूर्ण व्यापारिक कार्य पूरे होने के आसार हैं। साझेदारी में नए प्रस्ताव मिलेंगे। फालतू खर्च होगा। तनाव रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें।

बेबी जॉन के फ्लॉप होने से दुखी हैं जग्गू दादा

180 करोड़ रुपये के बजट पर बनी थी वरुण की फिल्म बेबी जॉन, 40 करोड़ रुपये के आंकडे को भी नहीं छू पा रही है।

वरुण धवन की मास-एक्शन फिल्म बेबी जॉन बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिट गई है। रिलीज से पहले ऐसा माना जा रहा था कि ये फिल्म वरुण की सबसे बड़ी हिट साबित हो सकती है। लेकिन ऐसा नहीं हो पाया।

हाल ही में फिल्म में मेन विलन बब्बर शेर का किरदार निभाने वाले एक्टर जैकी श्रॉफ ने ने कहा है कि उन्हें दुख तो जरूर है कि उनकी फिल्म नहीं चल पाई लेकिन उन्हें खुद से ज्यादा प्रोड्यूसर्स की चिंता है जिन्होंने बड़ी मेहनत से फिल्म पर पैसा लगाया था।

जैकी से पूछा गया कि क्या उन्हें फिल्म की बॉक्स ऑफिस नाकामी से फर्क पड़ता है, तो एक्टर ने कहा- प्रोड्यूसर्स को जरूर इससे फर्क पड़ता है। वो इन प्रोजेक्ट्स पर पूरा विश्वास करके पैसा लगाते हैं। जब वो पैसा वापस नहीं आता तब दुख होता है। एक एक्टर के तौर पर आप जरूर चाहोगे कि आपके काम को पसंद किया जाए लेकिन आप ये भी चाहोगे कि फिल्म भी चले। जैकी श्रॉफ फिल्मों में काफी लंबे समय से काम करते आ रहे हैं। जिनमें से कुछ फिल्में ताबड़तोड़ कमाई भी किया करती हैं तो कुछ फ्लॉप हो जाती है। क्या बेबी जॉन फिल्म के नहीं चलने से एक्टर को कोई दुख है? इसपर भी उन्होंने अपना जवाब दिया, दुख होता है पर खुद के लिए नहीं प्रोड्यूसर्स के लिए। आपको अपना काम इमानदारी से करना होता है लेकिन जिन लोगों ने अपना पैसा लगाया होता है आपको उनके बारे में भी सोचने की जरूरत है।

हाल ही में एक्टर राजपाल यादव ने भी एक इंटरव्यू दिया था जहां उन्होंने फिल्म की नाकामी पर रिएक्ट किया था। उनका कहना था कि अगर बेबी जॉन साउथ सुपरस्टार थलापति विजय की फिल्म थेरी का रीमेक ना होती, तो वो मेरे 25 साल के करियर की सबसे बेहतरीन फिल्म होती। लेकिन चूंकी विजय ने फिल्म की हुई थी, तो लोगों ने पहले ही इसकी कहानी देख ली थी। क्योंकि ये एक रीमेक थी तो उस कारण इसका बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर भी असर पड़ा।

बॉलीवुड | मन की बात

पिताजी की दूसरी शादी की बात सुनकर मैं टूट गई थी : जूही

राज बब्बर ने पहली शादी नादिरा से शादी की। इनके दो बच्चे-बेटी जूही बब्बर और बेटा आर्य बब्बर हुआ। पहले से शादीशुदा होते हुए राज बब्बर अभिनेत्री स्मिता पाटिल के करीब आए। फिर 1983 में इन्होंने शादी रचा ली। हाल ही में जूही बब्बर ने बताया कि उन्हें अपने पिता की दूसरी शादी का सच कब पता चला? इसके अलावा उन्होंने राज बब्बर और स्मिता पाटिल के रिश्तों को लेकर भी बात की। जूही बब्बर के मुताबिक जब उन्हें पिता की दूसरी शादी के बारे में पता चला तो वह महज सात साल की थीं। जूही के मुताबिक जब उनके पिता राज बब्बर ने उन्हें दूसरी पत्नी के बारे में जानकारी दी तो वे सिर्फ सात साल की थीं। राज बब्बर ने बेटी को अपनी दूसरी शादी और पत्नी के बारे में बताया और बिठाकर पूरी बात समझाई। जूही बब्बर ने बताया कि यह सच सुनते ही उनका दिल टूट गया था। राज बब्बर ने नादिरा से शादी की। फिर 1979 में जूही बब्बर का जन्म हुआ। इसके बाद राज बब्बर अभिनय में करियर बनाने के लिए मुंबई आ गए और नादिरा को उनकी मां के पास छोड़ दिया। साल 1981 में कपल ने बेटे आर्य का स्वागत किया। अभिनय की दुनिया में काम करते हुए राज बब्बर की करीबी स्मिता पाटिल से बढ़ीं और फिर 1983 में इन्होंने शादी रचा ली। राज बब्बर ने बाद में मीडिया बातचीत में यह कहा कि उनकी पहली पत्नी नादिरा, दूसरी पत्नी स्मिता के साथ उनके रिश्ते को अच्छी तरह समझती थीं। दिलचस्प बात यह है कि उनकी बेटी जूही बब्बर और स्मिता पाटिल के बीच भी काफी करीबी रिश्ता रहा। जूही बब्बर ने स्मिता पाटिल को याद करते हुए कहा कि भीगी पलकें की शूटिंग के दौरान पहली बार वे स्मिता पाटिल से मिली थीं। पहली मुलाकात एक टकराव के रूप में हुई, फिर धीरे-धीरे वे करीब होते गए। जूही बब्बर ने यह भी साफ किया कि राज बब्बर का स्मिता पाटिल के साथ रिश्ता नादिरा के साथ किसी तरह की तकरार की वजह से नहीं था।

सुपरस्टार की बेटी होने का मुझे नुकसान भी हुआ : आयरा

आमिर खान की तरह उनके बच्चे जुनैद खान और आयरा खान भी अपनी सोच को लेकर वोकल रहे हैं। हर नॉर्मल सिब्लिंग्स की तरह इन दोनों के बीच भी खूब फाइट्स हुई हैं। हाल ही में एक इंटरेक्शन के दौरान आयरा ने पिता आमिर और भाई जुनैद संग अपने बॉन्ड पर बात की। उन्होंने बताया कि कैसे आमिर शूट्स में बिजी होने के बावजूद उनकी स्कूल लाइफ पर पूरा ध्यान देते थे।

आयरा ने साथ ही जिक्र किया कि एक सुपरस्टार की बेटी होने के नाते उन्हें स्कूल में कई परेशानी फेस करनी पड़ी थी। उन्हें दोस्त बनाने में मुश्किलें हुई थी। पिता का स्टारडम लोगों को उनके पास लाता था। हालांकि इस वजह से वो कभी जजमेंट का शिकार नहीं हुईं।

पीपल ऑफ इंडिया से बातचीत में आयरा ने बताया कि बचपन में वो हमेशा जानबूझकर उसका उल्टा करती थीं, जो भी जुनैद किया करते थे। आयरा ने भाई संग अपना बॉन्ड समझाते हुए कहा- मुझे नहीं पता कि सभी भाई-बहनों के साथ ऐसा होता है या नहीं, लेकिन मैं कुछ पहलुओं में बिल्कुल उनके जैसा बनना चाहती थी। जबकि कुछ पहलुओं में मुझे बिल्कुल उनसे उल्टा बिहेव करना होता था। उन्हें मैनचेस्टर यूनाइटेड पसंद था। इसलिए मुझे मैनचेस्टर यूनाइटेड पसंद नहीं करना था। इन चीजों में बदलाव तब आया जब जुनैद को आगे की पढ़ाई करने के लिए बाहर जाना पड़ा। इस फिजिकल दूरी ने उनके दिलों की दूरी को कम कर दिया था। आयरा बोलीं- हम हर दिन लड़ते रहे जब तक कि उसने स्कूल खत्म नहीं कर लिया। जब वो कॉलेज गया, तो उसे एक नई जिंदगी मिल गई, इसलिए उसने मुझे परेशान करना बंद कर दिया। फिर हम सही में बहुत करीब हो गए। ये एक बहुत बड़ा बदलाव था लेकिन ये मजेदार भी था।

इसी के साथ आयरा ने पिता आमिर के साथ अपने इक्वेशन पर बात की और बताया कि कैसे उन्हें शुरू में ही एहसास हो गया था कि वो एक सेलेब्रिटी की बेटी हैं। आयरा ने बताया कि आमिर की वजह से उनके साथ स्कूल में अलग तरह का व्यवहार हुआ।

गुजरात का एक ऐसा गांव जहां पतंग उड़ाने पर लगता है जुर्माना, वजह हैरान कर देगी!

गुजरात के बनासकांठा जिले के फतेपुरा गांव में मकर संक्रांति के मौके पर पतंग उड़ाने पर रोक लगाई गई है। ये नियम कई सालों से यहां का हिस्सा है, जिसे गांव के लोग पूरी ईमानदारी से मानते हैं। जहां पूरा राज्य इस त्योहार को पतंगबाजी और मस्ती के साथ मनाता है, वहीं इस गांव में यह परंपरा थोड़ी अलग है।

फतेपुरा गांव के लोगों का मानना है कि उनकी यह परंपरा गांव की सुख-शांति के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। बुजुर्गों के अनुसार, कई साल पहले गांव में एक घटना हुई थी, जिसके बाद यह फैसला लिया गया था कि मकर संक्रांति पर पतंगबाजी नहीं होगी। तभी से यह परंपरा चली आ रही है। गांव की इस परंपरा को बनाए रखने के लिए सख्त नियम बनाए गए हैं। अगर कोई व्यक्ति मकर संक्रांति के दिन पतंग उड़ाते हुए पाया जाता है, तो उसे जुर्माना भरना पड़ता है। यह नियम न केवल बुजुर्गों बल्कि युवाओं द्वारा भी पूरी तरह से स्वीकार किया गया है। फतेपुरा गांव का यह नियम उनके सामाजिक ताने-बाने और आपसी सहयोग को भी दर्शाता है। यहां के लोग इस परंपरा को अपने सांस्कृतिक पहचान के रूप में देखते हैं और इसे अपनी अगली पीढ़ी तक पहुंचाना चाहते हैं। गांव की यह परंपरा यह संदेश देती है कि त्योहार का असली आनंद एकता और सौहार्द में है। जहां पतंगबाजी से अक्सर हादसे और विवाद होते हैं, वहीं फतेपुरा का यह नियम शांति और अनुशासन का प्रतीक है। फतेपुरा गांव की यह परंपरा हमें सोचने पर मजबूर करती है कि क्या अन्य जगहों पर भी इस तरह के नियम अपनाए जा सकते हैं।

अजब-गजब | जान लीजिए सही वजह!

रेड कार्पेट पर क्यों चलते हैं सेलिब्रिटीज क्या आपको मालूम है इसका इतिहास

आपने टीवी पर आने वाले फिल्मी अवॉर्ड शोज़ देखे होंगे, या फिर आप किसी बड़े इवेंट में शामिल हुए होंगे, जिसमें कई सेलिब्रिटीज, नेता या कोई रसूखदार लोग आए होंगे। वहां पर आपने गौर किया होगा कि लाल कालीनें बिछाई गई हैं। क्या आपने कभी सोचा है कि आखिर लाल कालीन क्यों बिछाई जाती है, आखिर सेलिब्रिटीज उसपर क्यों चलते हैं और उन्हें खास मौकों पर बिछाने का क्या कारण है? चलिए हम आपको इसके पीछे की सही वजह बताते हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कोरा पर किसी ने ये सवाल किया है कि लाल कालीनें बड़े इवेंट्स और खास मौकों पर क्यों बिछाई जाती हैं। कई लोगों ने इसपर जवाब दिया है। लाल कार्पेट का प्रयोग आज से नहीं, सदियों से हो रहा है। इन्हें खास मौकों पर बिछाया जाता है। रिपोर्ट्स के अनुसार 458 ईसा पूर्व में ग्रीक प्लेराइटर ईसकलस ने एक नाटक की रचना की थी जिसमें लाल रंग कालीन का जिक्र था। वो कालीन जंग जीतकर लौटे एक महाराजा के

लिए बिछाई गई थी।

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक 1993 में टफ्ट्स यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर ग्रेगरी क्रेन ने अपने एक लेख में बताया था कि लाल कालीन सदियों से राजा या राजशाही परिवारों के लिए बिछाया जाता है। ये रिवाज का हिस्सा था। मेडीवल यूरोप में लाल कालीन इस वजह से ज्यादा फेमस हुई, क्योंकि ये एक खास तरह की डाई से बनती थी, जिसे स्कार्लेट कहा जाता था। वो डाई उस वक्त बहुत महंगी मिलती थी। इसी वजह से कालीन भी महंगी होती थी और उसे खास लोगों के लिए बिछाया जाता था। इंडस्ट्रियल रेवोल्यूशन के बाद कालीन काफी सस्ती मिलने लगी। पर लोगों के मन में तब तक ये बात बैठ चुकी थी कि खास लोगों के लिए लाल कालीन बिछाई जाती है।

एक शब्द काफी प्रचलित है, रेड कार्पेट ट्रीटमेंट। इसकी शुरुआत अमेरिका की एक ट्रेन से हुई थी। ये ट्रेन 1902 से लेकर 1907 के बीच चलती थी। इस ट्रेन का नाम था 20th Century Limited। ये न्यूयॉर्क से शिकागो तक चलती थी। प्लेटफॉर्म पर लाल कालीन बिछाई जाती थी, जिसपर चलकर यात्री ट्रेन में चढ़ते थे। इस तरह यात्रियों को जरूरी और सेलिब्रिटी जैसा एहसास दिलाया जाता था।

1922 में रेड कार्पेट हॉलीवुड तक पहुंच गई और अवॉर्ड शोज में इसका इस्तेमाल होने लगा। वहां से अन्य देशों की फिल्म इंडस्ट्री में भी ये फैलने लगी। बॉलीवुड में भी इसका प्रयोग हुआ और फिर फिल्मों से जुड़े अवॉर्ड फंक्शन में इनका प्रयोग आज भी किया जाता है।

भ्रष्टाचार के मामलों में बिहार सब पर भारी : तेजस्वी यादव

» बोले- इस बार बदल जाएगी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गया। बिहार में खेला का इंतजार करीब एक साल से चल रहा था, लेकिन विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने पिछले दिनों खुलकर कहा कि अब तो सिर्फ चुनाव होगा। चुनावी साल भी आ गया है। अक्टूबर से नवंबर के बीच चुनाव कर नई सरकार का गठन हो जाएगा। विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि चुनाव के बाद महागठबंधन के लोग बाद में तय करेंगे कि चेहरा कौन होगा। एनडीए का 20 साल से बिहार में राज है। 11 साल से केंद्र में राज है। डबल इंजन की सरकार है।

अब तक बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिला। केवल जुमला, नीति आयोग की रिपोर्ट में गरीबी, बेरोजगारी और पलायन में बिहार अव्वल राज्य है। बिहार में अपराधियों का बोलबाला है। अफसरशाही चरम सीमा पर है। ब्लॉक और थाना में घूसखोरी बढ़ चुकी हैं। भ्रष्टाचार के मामलों में गंगोत्री हो चुकी है बिहार।

चिराग ने बिहार के लिए कुछ नहीं किया

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि वह चिराग पासवान पर कोई टीका-टिप्पणी नहीं करना चाहते हैं। केंद्र में मंत्री हैं। बिहार से हैं, लेकिन अभी तक बिहार के लिए कुछ किया ही नहीं है। क्या फैक्टर रखते हैं, इसका तो जनता निर्णय लेती है। लेकिन, हमें नहीं लगता है कि कुछ ज्यादा महत्वपूर्ण है। चिराग पासवान हनुमान हैं भाई, उनके बारे में हम क्या कहें। तेजस्वी ने कहा

पशुपति पारस के साथ आने पर अभी कोई चर्चा नहीं है।हम लोगों का पुराना पारिवारिक रिश्ता रहा है। इस नाते लालू जी वहां गए, लेकिन पॉलिटिकल कोई ऐसी चर्चा नहीं हुई है।

हम लोग अच्छे से बहुमत हासिल करेंगे

श्री यादव ने इस बार हमलोग अच्छे से बहुमत हासिल करेंगे। इस बार महागठबंधन की सरकार बनाएंगे। पिछली बार भी हमलोग सरकार बना ही लिए थे, लेकिन बेईमानी हुई। 10-12 सीटों पर बेईमानी हुई। 10-20 और 50 वोटों से हमें हराया गया। इस बार जनता त्रस्त हो चुकी है। परेशान हो चुकी है। लाठी-डंडे वाली यह सरकार चलने वाली नहीं है।

बीजेपी बड़का झूठ पार्टी है

बीजेपी बड़का झूठ पार्टी है। नफरत और घृणा फैलाना है। पूरे देश में और समाज को वह तोड़ना चाहते हैं। संविधान विरोधी है और आरक्षण विरोधी है। इन लोगों का देश के आजादी में कोई भूमिका नहीं रही है। इसलिए यह दुष्प्रचार कर रहे हैं।

छात्रों को दिल्ली मेट्रो में 50 प्रतिशत छूट हो : केजरीवाल

» आप संयोजक ने प्रधानमंत्री मोदी को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व सीएम और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने चिट्ठी के जरिए मांग की है कि छात्रों को दिल्ली मेट्रो में 50प्रतिश छूट हो। केजरीवाल का कहना है कि दिल्ली मेट्रो में केंद्र और दिल्ली सरकार दोनों का हिस्सा है। केंद्र और दिल्ली सरकार दोनों इससे होने वाला खर्चा वहन करें। हम बस में छात्रों के लिए फ्री बस यात्रा की योजना बना रहे हैं।

दिल्ली के पूर्व सीएम ने अपने पत्र में लिखा, मैं दिल्ली के स्कूल और कॉलेज के छात्रों से संबंधित एक महत्वपूर्ण मामले पर आपका ध्यान आकर्षित करने के लिए ये पत्र लिख रहा हूं। वहीं केजरीवाल ने बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला की विवादित टिप्पणी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि बीजेपी के प्रवक्ता ने जो बोला, वो बीजेपी की मानसिकता दिखता है। आप प्रमुख ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा, बीजेपी के प्रवक्ता ने जो बोला, वो बीजेपी की मानसिकता दिखता है, उनके नेता सुबह शाम केवल गालियां देने का काम करते हैं। कभी महिलाओं को गालियां देते हैं, कभी पूर्वांचली समाज को गाली देते हैं। और जो जितनी बड़ी और गंदी गाली देता है, उसको उतना बड़ा पद मिलता है।

सैफ के मामले में कांग्रेस सांसद पूर्व सीएम पर बरसे

उधर, उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल पर दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले मुस्लिम मतदाताओं को लुभाने के लिए मुंबई में बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर हमले का मुद्दा उठाने काआरोप लगाया। केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा, यह आश्चर्य की बात है कि केजरीवाल, जिन्होंने पिछले 10 वर्षों में दिल्ली के मुसलमानों के बारे में कोई चिंता नहीं की, वे मुंबई के मुसलमानों के बारे में चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि कम से कम उन्हें दिल्ली के बाहर के मुसलमानों की तो चिंता है, मसूद ने आरोप लगाया, लेकिन सवाल यह उठता है कि 'आप' मुंबई की कानून-व्यवस्था के बारे में तो बोलेंगे, लेकिन दिल्ली के बारे में नहीं।

आजाद अधिकार सेना ने की पुलिस मुठभेड़ की जांच की मांग

» पिछले 8 महीनों में तीन बार पुलिस ने किया गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने आज डीजीपी यूपी को लखनऊ के एक व्यक्ति के पिछले 8 महीना में तीन बार कथित पुलिस मुठभेड़ होने की जांच की मांग की है। अपनी शिकायत में उन्होंने कहा है कि उन्हें प्राप्त जानकारी के अनुसार फैजुल्लागंज निवासी राजीव श्रीवास्तव पुत्र रमेश चंद्र श्रीवास्तव का पिछले आठ माह में तीन बार पुलिस मुठभेड़ हुआ है।

इनमें 6 जून 2024 को वजीरगंज थाने में हुए मुठभेड़ में उनके बाएं पांव पर गोली लगी जबकि 25 अक्टूबर को महानगर पुलिस ने मुठभेड़ में बिना गोली लगे गिरफ्तार किया। 15 जनवरी 2025 को अलीगंज पुलिस ने मुठभेड़ में उनके दाहिने

पांव पर गोली मारी और वह गिरफ्तार हुए।

तीनों ही बार एक ही व्यक्ति को मारी पैर में गोली : अमिताभ

अमिताभ ठाकुर ने कहा कि उनकी जानकारी के अनुसार यह तीनों एक ही व्यक्ति राजीव श्रीवास्तव हैं। उन्होंने कहा कि तीनों बार की पुलिस मुठभेड़ की कहानी लगभग समान है और तीनों बार उनके पीछे बैठा व्यक्ति फरार हो गया, जो आगे कभी नहीं पकड़ा गया। अमिताभ ठाकुर ने इस तीनों मामलों में फर्जी मुठभेड़ होने की प्रबल संभावना बताते हुए इनकी जांच की मांग की है।

दिल्ली की जनता को बीजेपी पसंद नहीं: देवेंद्र

» राज्य कांग्रेस अध्यक्ष बोले- आप ने जनता को ठगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लगातार 15 साल सत्ता में रहने और बीते दस साल से विधानसभा की एक सीट के लिए तरस रही कांग्रेस इस बार विधानसभा चुनाव को त्रिकोणीय बनाने की कोशिश में जुटी है। कांग्रेस की पहली चुनौती अपने खो चुके जनाधार को पाने की है। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि दिल्ली सरकार के तौर पर बीजेपी जनता की चॉइस नहीं है। पिछले छह चुनावों में दिल्ली की जनता बीजेपी को नकार चुकी है। 2013 में शीला दीक्षित की सरकार के 15 साल पूरे हो चुके थे, सत्ता विरोधी लहर तो बन गई थी।

इस दौरान एक आंदोलन हुआ और जनता ने एक बेहतर विकल्प की उम्मीद में आम आदमी पार्टी को चुना। 2013 के चुनाव में कांग्रेस 8 सीटें मिलीं तो आप को 28। लोकपाल पर इस्तीफा दिया और 2015 में

दोबारा हुए चुनाव में 67 सीट आप को मिली। लेकिन इस चुनाव में उनके 11 साल हो गए और उनके खिलाफ सत्ता विरोधी लहर बड़ी है और हमने इस चुनाव में अपने आपको एक विकल्प के तौर पर पेश किया है। सबसे पहले हमने चुनाव में अपनी मौजूदगी दिखाई, जनता के नब्ज पकड़ने में सफल रहे, गारंटी लॉन्च कर मेनिफेस्टो में लीड लिया, विज्ञापन के जरिए आवाज पहुंचाने में सफल रहे, ऑटो कैंपेन किया,

मौजूदा सरकार अपने वादे को पूरा नहीं कर पाई

मौजूदा सरकार अपने वादे को पूरा नहीं कर पाई है। जिस भ्रष्टाचार के मुद्दे को लेकर राजनीति में आए और दिल्ली की सत्ता मिली, उसे भूल गए। लोकपाल उनके मुद्दे से गायब हो गए, यमुना साफ नहीं हुई। वो शीला दीक्षित के खिलाफ भ्रष्टाचार के डाक्यूमेंट्स लेकर घूमते रहे, जेल भेजने की धमकी देते रहे। कांग्रेस का एक कार्यकर्ता तक भ्रष्टाचार के मुद्दे पर जेल नहीं गया और इनके मुख्यमंत्री से लेकर उप मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री, सांसद तक जेल पहुंच गए। अभी बरी नहीं हुए हैं, बेल पर बाहर आए हैं। आज भी सरकारी फाइल साइन नहीं कर सकते। इन्होंने जनता को ठगा है। महंगाई से परेशान हैं, बुजुर्गों को पेंशन नहीं मिल रही है, गंदगी का हल नहीं निकाल पाए। जब आए थे तो न गाड़ी न बंगला और सुरक्षा नहीं लेने की बात करते थे और आज शीशमहल बना रहे हैं। हमारे खिलाफ सबूत तक दे नहीं पाए और वो खुद जेल पहुंच गए।

पानी के मुद्दे पर जनता की आवाज उठाई, नीट पेपर लीक से लेकर अन्य मामले में जनता की आवाज बन रहे हैं। उनकी पीड़ा समझे और आज हम इस चुनाव में प्रमुख दावेदार हैं।

टीम के नये बल्लेबाजी कोच बने सितांशु कोटक

» इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज से पहले हटाये गये अभिषेक नायर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सौराष्ट्र के पूर्व बल्लेबाज सितांशु कोटक को इंग्लैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज और चैंपियंस से पहले भारत का बल्लेबाजी कोच बनाया गया है। कोटक इससे पहले भारत ए के मुख्य कोच थे। उनकी देखरेख में भारत ए टीम ने पिछले साल नवंबर में ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया था। इसके अलावा वह राहुल द्रविड़ की गैरमौजूदगी में अगस्त, 2023 में आयरलैंड दौरे पर गई भारतीय टीम के मुख्य कोच भी रहे थे।

बीसीसीआई ने सितांशु कोटक की नियुक्ति भारतीय टीम के आगामी

22 जनवरी से शुरू होगी भारत बनाम इंग्लैंड सीरीज

कार्यक्रमों को देखते हुए की है। दरअसल, हाल ही में भारतीय टीम को न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था। इस दौरान भारतीय बल्लेबाजों ने निराशाजनक प्रदर्शन किया था, जिसके बाद से सहायक कोच अभिषेक नायर पर सवाल खड़े हुए थे। 52 वर्ष के कोटक लंबे समय से राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में बल्लेबाजी कोच हैं। वह सीनियर और ए टीमों के साथ दौरों पर जा चुके हैं। बीसीसीआई के अधिकारी ने कहा, यह स्पष्ट है कि अभिषेक से खिलाड़ियों को मदद नहीं मिल पा रही है। कोटक पर बल्लेबाज भरोसा करते हैं। आस्ट्रेलिया में भारतीय बल्लेबाजों की तकनीकी कमियां उजागर हुई और विराट कोहली आफ स्टम्प से बाहर जाती गेंदों पर विकेट गंवाते रहे। कोटक ने घरेलू क्रिकेट में 15 शतक समेत 8000 से अधिक रन बनाए हैं। भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ 22 जनवरी से पांच टी20 और तीन वनडे मैचों की सीरीज खेलेगी।

कर्नाटक-विदर्भ के बीच होगा विजय हजारे का फाइनल

वडोदरा। विदर्भ ने महाराष्ट्र को 69 रन से हराकर विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब टीम का सामना कर्नाटक से होगा जिसने पहले सेमीफाइनल में हरियाणा पर पांच विकेट से जीत दर्ज की थी। इस टूर्नामेंट का खिताबी मुकाबला वडोदरा में 18 जनवरी यानी शनिवार को खेला जाएगा। गुरुवार को खेले गए दूसरे सेमीफाइनल में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी विदर्भ ने ध्रुव शोरे (114) और यश राठोड़ (116) की दमदार पारियों की बदौलत 50 ओवर में तीन विकेट पर 380 रन बनाए। जवाब में महाराष्ट्र की टीम निर्धारित ओवर में सात विकेट पर 311 रन ही बना सकी। ऋतुराज गायकवाड़ की टीम की तरफ से अर्शिन कुलकर्णी (90) और अंकित बावने (50) ने अर्धशतकीय पारियां खेलीं।

विश्वविद्यालयों को आरएसएस से खतरा : जयराम

» कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर लगाया आरोप

» बोले नेता- पक्षपाती किताबें पढ़ाने की हो रही कोशिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि प्रमुख विश्वविद्यालयों में बौद्धिक ईमानदारी को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की साजिशों और बचकाने आरोप-प्रत्यारोप से खतरा है। कांग्रेस के संचार मामलों के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि नई यूजीसी (यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन) नियम केवल कैंपसों में गैर-गंभीर राजनीति को बढ़ावा देने के लिए बनाए गए हैं।

रमेश ने एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के कई शिक्षकों ने एक पत्रकार की किताब मोदी बनाम खान मार्केट गैंग पर एक चर्चा का विरोध किया, जो गुरुवार को विश्वविद्यालय परिसर में हुई थी। उन्होंने

कहा, आरएसएस की साजिशों और बचकाने आरोप-प्रत्यारोप ने हमारे प्रमुख विश्वविद्यालयों की बौद्धिक ईमानदारी को खतरे में डाल दिया है। दिल्ली विश्वविद्यालय परिसर में एक निष्पक्ष और गैर-गंभीर पुस्तक के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था और इसमें कुलपति ने भाग लिया था। यह किताब पूरी तरह से पक्षपाती है।

विश्वविद्यालय बनते जा रहे हैं संघ का हिस्सा

कांग्रेस नेता ने इसे शर्मनाक बताते हुए कहा कि अब यह विश्वविद्यालय आरएसएस का हिस्सा बन गया है। उन्होंने नई यूजीसी नियमों की आलोचना करते हुए कहा कि ये नियम विश्वविद्यालयों में वीसी (उपकुलपति) की नियुक्ति और गैर-शैक्षिक व्यक्तियों की नियुक्ति पर केंद्रीय नियंत्रण बढ़ाने के लिए बनाए गए हैं, जो केवल गैर-गंभीर राजनीति को बढ़ावा देंगे।

उच्च शिक्षा की गुणवत्ता पर पड़ेगा बुरा असर

कांग्रेस ने इससे पहले मंगलवार को यूजीसी द्वारा प्रस्तावित नए नियमों को तानाशाही और संविधान के खिलाफ बताते हुए इन्हें तुरंत वापस लेने की मांग की थी। उन्होंने कहा कि इन नियमों से शिक्षकों की नियुक्ति और उनकी पदोन्नति में मुश्किलें बढ़ जाएंगी, जिससे उच्च शिक्षा की गुणवत्ता पर बुरा असर पड़ेगा।

लातूर का शिक्षा मॉडल देश के लिए लाभदायक : धीरज देशमुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। लातूर ने जनवरी 2025 में मराठवाड़ा एजुकेशनल कन्क्लेव का आयोजन करके शिक्षा के क्षेत्र में एक अहम बदलाव किया। इस आयोजन का नेतृत्व कांग्रेस नेता धीरज देशमुख, लातूर जिला बैंक के चेयरमैन, ने किया और यह स्टीम एजुकेशन सेंटर के सहयोग से हुआ।

इवेंट में बोलते हुए धीरज देशमुख ने कहा, लातूर हमेशा से ही नयापन और बदलाव का केंद्र रहा है, चाहे वो शिक्षा हो या किसी और क्षेत्र में। मुझे पूरा विश्वास है कि अब ग्रामीण भारत ही भारत का अगला चैप्टर लिखेगा, और ऐसे इनिशिएटिव्स से हमारी युवा पीढ़ी को वो सभी कौशल और ज्ञान मिलेगा, जो उन्हें आगे बढ़ने के लिए चाहिए। महाराष्ट्र के पूर्व सीएम विलासरराव देशमुख के बेटे धीरज देशमुख ने कहा कि

यह नया पैटर्न शिक्षा को ज्यादा कौशल-आधारित और आधुनिक बनाने की दिशा में एक बड़ी छलांग है। तीन दिन चले इस कॉन्क्लेव में 100 से ज्यादा स्टॉल्स लगे थे और यहां रोजगार, कौशल विकास, और नए शैक्षिक टूल्स जैसे एआई के इस्तेमाल पर एक्सपर्ट्स ने कई सेशंस भी किए। इस इवेंट में एक स्टॉल जिसने सबका ध्यान खींचा, वह था रीड लातूर इनिशिएटिव। एआई की दुनिया से अलग, इस इनिशिएटिव ने महाराष्ट्र के ग्रामीण इलाकों में बच्चों के बीच पढ़ाई की आदत को बढ़ावा दिया है।

प्रदेश में कोहरे का ऑरेंज और यलो अलर्ट जारी

» बारिश से गिरा न्यूनतम तापमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के ज्यादातर हिस्से घने कोहरे और गलन भरी ठंड की चपेट में हैं। फिलहाल कुछ दिन इससे राहत नहीं मिलने वाली। बृहस्पतिवार को राजधानी लखनऊ समेत हरदोई, गाजियाबाद, हापुड, बिजनौर, गाजियाबाद, रामपुर, शाहजहांपुर, बागपत व मुजफ्फरनगर जिलों में हल्की बारिश हुई। गलन भरी हवाओं और बूंदाबांदी से दिन के तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट के आसार हैं।

घने कोहरे से बृहस्पतिवार को अयोध्या में दृश्यता शून्य तक जा पहुंची। झांसी, मुरादाबाद, चित्रकूट, हरदोई में भी दृश्यता 100 मीटर से कर रही। लखनऊ प्रयागराज, आगरा में भी दृश्यता कम रही। कुछ इलाकों में दोपहर बाद गुनगुनी धूप तो हुई, लेकिन

गलन भरी हवा से बेअसर रही। पश्चिमी विक्षोभ का असर कमजोर पड़ने से फिलहाल कुछ दिन मौसम शुष्क रहेगा, लेकिन गलन भरी पछुआ हवा और घना कोहरा बना रहेगा। इससे रात के पारा और लुढ़केगा। मौसम विभाग ने 20 जिलों में घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट और 43 जिलों में घने कोहरे का यलो अलर्ट जारी किया है।

यूपी में 29 आईएएस का हुआ तबादला

14 जिलों के डीएम व तीन मंडलायुक्त बदले, विशाख जी अय्यर बने लखनऊ के डीएम

» लखनऊ के डीएम सूर्य पाल गंगवार मुख्यमंत्री के सचिव बनाये गये

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । राज्य सरकार ने देर रात तीन मंडलायुक्त और लखनऊ बाराबंकी समेत 14 जिलों के जिलाधिकारी समेत 31 आईएएस अफसर के तबादले कर दिए हैं। मेरठ, आगरा, अलीगढ़ में नए मंडलायुक्त बनाए गए हैं।

मथुरा, बुलंदशहर, लखनऊ, अलीगढ़, प्रतापगढ़, बिजनौर, कानपुर नगर, बागपत, बांदा, गाजियाबाद, मेरठ, फर्रुखाबाद, बाराबंकी, सुल्तानपुर के जिलाधिकारी बदले गए हैं। इसके अलावा मेरठ की मंडलायुक्त सेल्वा कुमारी जे. को सचिव नियोजन एव डीजी अर्थ एवं संख्या के पद तैनात किया गया है। आगरा की मंडलायुक्त रितु महेश्वरी को चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण में सचिव बनाया गया है। सहारनपुर के

मंडलायुक्त ऋषिकेश भास्कर यशोद को मेरठ मंडल की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अलीगढ़ की मंडलायुक्त चैत्रा वी. को युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षा दल का डीजी बनाया गया है। मथुरा के डीएम शैलेश कुमार सिंह को आगरा का मंडलायुक्त बनाया गया है।

बुलंदशहर के डीएम चंद्रप्रकाश सिंह को मथुरा का डीएम बनाया गया है। बाराबंकी के डीएम सत्येंद्र कुमार को विशेष सचिव मुख्यमंत्री बनाया गया है। जबकि मुख्यमंत्री के सचिव शशांक त्रिपाठी को बाराबंकी का डीएम बनाया गया है। सुल्तानपुर की डीएम कृतिका ज्योत्सना को विशेष सचिव राज्य कर बनाया गया है। सीएम के विशेष सचिव कुमार हर्ष को सुल्तानपुर का डीएम बनाया गया है। सीएम के विशेष सचिव ईशान प्रताप सिंह को नागरिक उड्डयन विभाग में विशेष सचिव एवं निदेशक का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है।

सचिव नियोजन नरेंद्र प्रसाद पांडेय को राजस्व परिषद में सदस्य न्यायिक बनाया गया है। सचिव खेलकूद एवं युवा कल्याण सुहास एलवाई से डीजी युवा कल्याण एव पीआरडी का अतिरिक्त कार्यभार वापस ले लिया गया है। चिकित्सा विभाग में तैनात अर्चना वर्मा को राष्ट्रीय बीमा योजना का सीईओ बनाया गया है। मेरठ की अपर आयुक्त जसजीत कौर को बिजनौर का डीएम बनाया गया है। लखनऊ के नए अब डीएम विशाख जी होंगे। जबकि यहां रहे डीएम सूर्य पाल गंगवार मुख्यमंत्री के सचिव बना दिये गए हैं। विशाख जी अलीगढ़ के जिलाधिकारी थे।

पुणे में भीषण सड़क हादसा

वैन को टेंपो ने पीछे से मारी टक्कर, नौ की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में शुक्रवार सुबह भीषण सड़क हादसा हुआ। हादसा पुणे के नारायणगांव के पास हुआ। जानकारी के मुताबिक, यहां एक तेज रफ्तार टेंपो ने मिनी वैन को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में नौ लोगों के मौत की खबर है।

पुणे ग्रामीण पुलिस एसपी पंकज देशमुख ने बताया कि पुणे के नारायणगांव इलाके में सड़क दुर्घटना में नौ लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना तब हुई, जब एक टेंपो ने पीछे से एक मिनी वैन को टक्कर मार दी, जो आगे वहां खड़ी एक बस से टकरा गई। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है। जानकारी के मुताबिक, हादसा सुबह करीब 10 बजे के करीब हुआ। मिनी वैन नारायणगांव की तरफ जा रही थी। इस दौरान पीछे आ रहे एक तेज रफ्तार टेंपो ने वैन को टक्कर मार दी।

आजम खां को कोर्ट का झटका, अपील खारिज

» 2008 में चक्का जाम करने के मामले में सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) । मुरादाबाद जिले की सांसद-विधायक अदालत ने समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता आजम खान की अपील खारिज कर दी है। छजलैट में यातायात अवरुद्ध करने के मामले में निचली अदालत द्वारा सुनाई गयी सजा के खिलाफ़ यह अपील दायर की गयी थी। एक अधिवक्ता ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

पूर्व मंत्री आज़म खान वर्ष 2008 में छजलैट पुलिस थाना क्षेत्र में चक्का जाम करने के मामले में विशेष सांसद-विधायक अदालत द्वारा सुनाई गयी दो साल की सजा के बाद सीतापुर जेल में बंद हैं।अदालत ने इसी मामले में उनके बेटे अब्दुल्ला आजम को भी दो साल की सज़ा और तीन हज़ार रुपये जुर्माने से दंडित किया था। अदालत ने बृहस्पतिवार को मुरादाबाद की निचली अदालत द्वारा पहले लगाई गई दो साल की कैद और तीन हज़ार जुर्माने को बरकरार रखा। यह मामला 2008 की एक घटना से जुड़ा है, जब आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम पर छजलैट पुलिस थाने के बाहर सड़क जाम करने का आरोप लगाया गया था। विशेष लोक अभियोजक मोहन लाल विश्नोई ने अदालत के फैसले की पुष्टि करते हुए कहा, एमपी-एमएलए (एडीजे 5) कोर्ट ने आजम खान की अपील को खारिज कर दिया। इसमें सजा और आदेश दोनों को बरकरार रखा गया है। निचली अदालत ने 13 फरवरी 2023 को यह फैसला दिया था। इस मामले में अब्दुल्ला आजम की अपील अन्य अदालतों में विचाराधीन है। विश्नोई ने कहा कि अब्दुल्ला के मामले की सुनवाई उच्चतम न्यायालय में भी हो रही है। इस मामले में सांसद-विधायक अदालत ने आजम खान और अब्दुल्ला आजम को दोषी ठहराया था और उन्होंने फैसले को चुनौती देते हुए अलग-अलग अपील दायर की थी।

संभल: मकान निर्माण मामले में सबूत पेश करने के लिए सांसद बर्क को मिली 23 जनवरी तक की मोहलत

संभल। संभल से समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद जिया-उर-रहमान बर्क को कथित रूप से नगर पालिका से नक्शा मंजूर कराये बगैर एक घर का निर्माण कराने के मामले में सबूत पेश करने के लिए बृहस्पतिवार को 23 जनवरी तक का समय दिया गया। इस मामले में सांसद को नोटिस जारी करने वाली उप जिलाधिकारी (एसडीएम) वंदना मिश्रा ने बताया कि 16 जनवरी तक की मोहलत दी गयी थी, हालांकि, सांसद के वकील ने बृहस्पतिवार को एक आवेदन प्रस्तुत किया जिसमें कानूनी प्रतिनिधित्व में बदलाव के बारे में उप जिलाधिकारी न्यायालय को सूचित किया गया और सबूत पेश करने के लिए और समय मांगा गया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।